Say "No" to Pass Books

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

पाठ्य पुस्तकों के अध्ययन के आधार पर

प्रश्न बैंक

Question Bank

कक्षा – 12

हिन्दी साहित्य

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर (राजस्थान)

संरक्षक

श्रीमान मदन दिलावर

कैबिनेट मंत्री, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा एवं पंचायती राज (राजस्थान सरकार)

संरक्षक

श्री नवीन जैन (आईएएस)

सचिव, स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर

अविचल चतुर्वेदी (आईएएस)

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

श्री आशीष मोदी (आईएएस)

निदेशक, माध्यमिक शिक्षा

बीकानेर, राजस्थान

मुख्य मार्गदर्शक

डॉ. अनिल कुमार पालीवाल

अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

ज्योति ककवानी

अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

संयोजक एवं मार्गदर्शक

श्रीमती उर्मिला चौधरी

उपनिदेशक, गुणवत्ता एवं प्रशिक्षण

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

सहयोगकर्ता

रमेश चंद मान

सहायक निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

लेखन

कर्मवीर पूनियाँ

व्याख्याता, शहीद विनोद कुमार, रा.उ.मा.वि. पातुसरी, झुंझुनू (राज.)

अनुक्रमणिका

क्र.सं. विषय वस्तु

1. जयशंकर प्रसाद (क) देवसेना का गीत (ख) कार्नेलिया का गीत
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – सरोज स्मृति
3. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' (क) यह दीप अकेला (ख) मैंने देखा, एक बूँद
4. केदारनाथ सिंह – (क) बनारस (ख) दिशा
5. रघुवीर सहाय – (क) वसंत आया (ख) तोड़ो
6. तुलसीदास – (क) भरत–राम प्रेम (ख) पद
7. मलिक मुहम्मद जायसी – बारहमासा
8. विद्यापति – पद
9. घनानंद – कवित्त
10. रामचंद्र शुक्ल – प्रेमघन की छाया स्मृति
11. पंडित चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – सुमिरिनी के मनके
12. फणीश्वरनाथ 'रेणु' – संवदिया
13. भीष्म साहनी – गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफात
14. असगर वजाहत – शेर, पहचान, चार हाथ, साझा
15. निर्मल वर्मा – जहाँ कोई वापसी नहीं
16. ममता कालिया – दूसरा देवदास
17. हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज
18. सूरदास की झोंपड़ी – प्रेमचन्द
19. बिस्कोहर की माटी – विश्वनाथ त्रिपाठी
20. अपना मालवा – खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में – प्रभाष जोशी
21. गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या
22. पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या
23. अपठित गद्यांश
24. अपठित पद्यांश
25. काव्यांग परिचय – गुण, दोष, छन्द, अलंकार
26. रचनात्मक एवं व्यावहारिक लेखन– अभिव्यक्ति एवं माध्यम
27. निबन्ध लेखन
28. मॉडल प्रश्न–पत्र–1
29. मॉडल प्रश्न–पत्र–2

अंतरा भाग –2 (पद्य खंड)

1. जयशंकर प्रसाद

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. 'देवसेना का गीत' प्रसाद के किस नाटक से लिया गया है?
   (अ) चंद्रगुप्त (ब) ध्रुवस्वामिनी (स) स्कंदगुप्त (द) अजातशत्रु
2. 'कार्नेलिया का गीत' प्रसाद के किस नाटक से लिया गया है?
   (अ) स्कंदगुप्त (ब) राजश्री (स) अजातशत्रु (द) चंद्रगुप्त
3. जयशंकर प्रसाद का जन्म कब हुआ?
   (अ) सन् 1881 (ब) सन् 1886 (स) सन् 1888 (द) सन् 1889
4. जयशंकर प्रसाद का निम्न में से कौनसा उपन्यास अधूरा है –
   (अ) कंकाल (ब) इरावती (स) निर्मला (द) तितली
5. 'देवसेना' जीवन में किसको पाना चाहती थी?
   (अ) चंद्रगुप्त को (ब) पृथ्वीराज को (स) स्कंदगुप्त को (द) अकबर को
6. कार्नेलिया किसकी बेटी थी?
   (अ) सिकंदर महान् की (ब) सेल्यूकस की (स) स्कंदगुप्त की (द) चंद्रगुप्त की
7. 'कवि जयशंकर प्रसाद' का जन्म स्थल कौन– सा है–
   (अ) मथुरा (ब) एटा (स) जबलपुर (द) काशी
8. 'अरुण यह मधुमय देश हमारा!'– इस पंक्ति में 'मधुमय देश' किसे कहा गया है?
   (अ) नेपाल (ब) जापान (स) भारत (द) पाकिस्तान
9. 'देवसेना का गीत' कविता में 'विहाग' शब्द का क्या अर्थ है?
   (अ) प्रातःकाल गाया जाने वाला गीत (ब) सांयकाल गाया जाने वाला गीत
   (स) विवाह के अवसर पर गाया जाने वाला गीत (द) अर्धरात्रि में गया जाने वाला गीत

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

1.स 2. द 3. द 4. ब 5. स 6. ब 7. द 8. स 9. द

लघूत्तरात्मक प्रश्न (उत्तर सीमा – 40 शब्द)

1. ''लौटा लो यह अपनी थाती, मेरी करुणा हा–हा खाती।''– इस पंक्ति के माध्यम से देवसेना के किन मनोभावों की अभिव्यक्ति हुई है ?
2. ''अरुण यह मधुमय देश हमारा''– इस पंक्ति का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

3. जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय लिखिए।
4. ''आह! वेदना मिली विदाई!''– इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
5. जीवन के अंतिम क्षणों में स्कंदगुप्त देवसेना को पाना चाहता है परन्तु देवसेना मना कर देती है – क्यों ? कारण स्पष्ट कीजिए।
6. देवसेना के जीवन रूपी रथ पर कौन सवार है? स्पष्ट कीजिए।
7. सिंधु सागर के किनारे बैठी कार्नेलिया किन प्राकृतिक सुखों की अनुभूति करती है ? अपने शब्दों में लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न (उत्तर सीमा– 60 शब्द)

1. 'कार्नेलिया का गीत' कविता में भारत की किन–किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है? अपने शब्दों में लिखिए।
2. 'देवसेना का गीत ' कविता की मूल संवेदना लिखिए।

2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला' के बचपन का नाम क्या था ?
   (अ) सूर्यपाल (ब) सूर्यदेव (स) सूर्यकांत (द) सूर्य कुमार
2. 'सरोज स्मृति' कविता केंद्रित है –
   (अ) दिवंगत पत्नी पर (ब) दिवंगत पुत्री पर (स) दिवंगत मां पर (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं
3. निम्न में से मुक्त छंद के प्रवर्तक कवि माने जाते हैं–
   (अ) जयशंकर प्रसाद (ब) गजानंद माधव मुक्तिबोध (स) केदारनाथ अग्रवाल(द) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
4. 'निराला रचनावली' कितने खंडों में प्रकाशित हुई?
   (अ) आठ (ब) दस (स) पंद्रह (द) बारह
5. 'निराला' का जन्म कब हुआ–
   (अ) सन् 1897 (ब) सन् 1891 (स) सन् 1899 (द) सन् 1900
6. 'निराला' की पुत्री का क्या नाम था ?
   (अ) नीलम (ब) चित्रा (स) सरोज (द) प्रियंजना
7. 'जूही की कली' कविता कब प्रकाशित हुई ?
   (अ) 1917 में (ब) 1916 में (स) 1919 में (द) 1920 में

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

1. द 2. ब 3. द 4. अ 5. स 6. स 7. ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. '' देखा मैंने, वह मूर्ति–धीति, मेरे वसंत की प्रथम गीति''– इस पंक्ति का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए ।
2. ''मुझ भाग्यहीन की तू संबल''– कवि निराला ने स्वयं को भाग्यहीन क्यों कहा है ?
3. निराला की काव्य भाषा की विशेषता लिखिए।
4. 'सरोज स्मृति' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।
5. ''दुख ही जीवन की कथा रही।''– इस पंक्ति के माध्यम से कवि की मनोदशा व्यक्त कीजिए।
6. निराला का साहित्यिक परिचय दीजिए।
7. 'सरोज स्मृति' पाठ के आधार पर कवि निराला की मनोव्यथा संक्षेप में लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न–

1. 'सरोज स्मृति' कविता मूल रूप से एक शोक गीत है– इस कथन की पुष्टि कीजिए।
2. 'सरोज स्मृति' कविता की मूल संवेदना अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

3. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. निम्न में से किस साहित्यिक पत्रिका का संबंध 'अज्ञेय' से नहीं है–
   (अ) सैनिक (ब) हंस (स) विशाल भारत (द) प्रतीक
2. हिंदी साहित्य में सप्तक परंपरा की शुरुआत किसने की?
   (अ) जयशंकर प्रसाद (ब) महादेवी वर्मा (स) अज्ञेय (द) रामनरेश त्रिपाठी
3. 'यह दीप अकेला' कविता में 'दीप' किसका प्रतीक है ?
   (अ) रोशनी का (ब) व्यक्ति का (स) संसार का (द) ह्रदय का
4. 'मैंने देखा, एक बूंद' कविता में 'बूंद' किसका प्रतीक है ?
   (अ) निर्गुण भक्ति का (ब) सांसारिक मोह माया का (स) जीवन की नश्वरता का (द) एकेश्वरवाद का
5. 'अज्ञेय' का जन्म कब हुआ–
   (अ) सन् 1921 में (ब) सन् 1931 में (स) सन् 1901 में (द) सन् 1911 में
6. 'अज्ञेय' का जन्म स्थान है–
   (अ) कुशीनगर (ब) गया (स) पटना (द) वाराणसी
7. अज्ञेय की संपूर्ण कविताओं का संग्रह किस नाम से प्रकाशित हुआ–
   (अ) आत्मकथा – 4 भाग (ब) गंगा – 3 भाग
   (स) सदानीरा – 2 भाग (द) अज्ञेय रचनावली – 2 भाग
8. 'यह दीप अकेला' कविता में 'समिधा' शब्द का क्या अर्थ है ?
   (अ) दूध (ब) यज्ञ की सामग्री (स) प्रकृति से उत्पन्न (द) स्वयं पैदा हुआ
9. निम्न में से कौन सा काव्य– संग्रह 'अज्ञेय' का नहीं है–
   (अ) कितने नावों में कितनी बार (ब) आंगन के पार द्वार
   (स) चिंता (द) परिमल

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

1. ब 2. स 3. ब 4. स 5. द 6. अ 7. स 8. ब 9. द

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. कवि अज्ञेय ने दीपक को पंक्ति में शामिल करने की बात क्यों कही है?
2. 'यह वह विश्वास नहीं जो अपनी लघुता में भी कांपा'– इस पंक्ति के माध्यम से कवि ने मानव के किन विश्वासों की बात की है ?
3. बूंद का सागर से अलग होना किस बात का अहसास देता है ?

4. 'मैंने देखा, एक बूंद' कविता का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।
5. 'यह दीप अकेला ' कविता में व्यक्तिगत सत्ता को सामाजिक सत्ता से जोड़ने पर बल क्यों दिया गया है ?
6. 'यह दीप अकेला ' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि –'अहंकार का मद हमें अपनों से अलग कर देता है। '
7. दीपक की सार्थकता कब बढ़ेगी ? ' यह दीप अकेला ' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
8. अज्ञेय का साहित्यिक परिचय लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न–

1. 'मैंने देखा, एक बूंद' – कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।
2. ''व्यक्ति की समाज के साथ अंतरंगता से राष्ट्र मजबूत होगा''– 'यह दीप अकेला' कविता के आधार पर इस कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

4. केदारनाथ सिंह

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. 'बनारस' कविता के रचयिता हैं –
   (अ) मैथिलीशरण गुप्त (ब) रघुवीर सहाय (स) केदारनाथ सिंह (द) विष्णु खरे
2. ''और खाली होता है यह शहर''– यहां 'शहर' शब्द किस नगर के लिए प्रयुक्त हुआ है–
   (अ) मथुरा (ब) झांसी (स) बनारस (द) एटा
3. 'केदारनाथ सिंह' का जन्म कब हुआ–
   (अ) सन् 1931 में (ब) सन् 1934 में (स) सन् 1933 में (द) सन् 1937 में
4. 'केदारनाथ सिंह' को किस विषय पर पीएच.डी. की उपाधि मिली ?
   (अ) आधुनिक हिंदी कविता में छंद विधान (ब) मुक्त छंद कविता
   (स) अलंकार और साहित्य (द) आधुनिक हिंदी कविता में बिंब विधान
5. 'केदारनाथ सिंह' को किस रचना पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ?
   (अ) यहां से देखो (ब) अकाल में सारस (स) जमीन पक रही है (द) अभी बिलकुल अभी
6. 'कब्रिस्तान में पंचायत' निबंध संग्रह के रचयिता हैं–
   (अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी(ब) जयशंकर प्रसाद (स) केदारनाथ अग्रवाल (द) केदारनाथ सिंह
7. 'दिशा' कविता का विषय है–
   (अ) प्रकृति चित्रण (ब) मानवीय संवेदना (स) बाल मनोविज्ञान (द) दिशाओं का ज्ञान

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

1. स 2. स 3. ब 4. द 5. ब 6. द 7. स

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. 'दिशा' कविता बाल मनोविज्ञान की कविता है – स्पष्ट कीजिए।
2. ''खाली कटोरों में वसंत का उतरना''– इस पंक्ति में निहित भाव स्पष्ट कीजिए।
3. ''कि जो चीज जहां थी, वहीं पर रखी है''– इस पंक्ति के माध्यम से बनारस के लोगों की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया गया है ?
4. 'दिशा' कविता का केंद्रीय भाव लिखिए ।
5. ''धीरे–धीरे होने की सामूहिक लय
   दृढ़ता से बांधे है समूचे शहर को।''
   – 'बनारस' कविता में धीरे धीरे होने की सामूहिक लय में क्या – क्या बंधा है ?
6. 'केदारनाथ सिंह' का साहित्यिक परिचय लिखिए।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

निबंधात्मक प्रश्न–

1. 'दिशा' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए –''कि बच्चों की दुनिया व उनकी सोच सीमित होती है।''
2. 'बनारस' कविता का भावार्थ लिखिए।
3. 'बनारस' कविता के आधार पर बनारस के लोगों की धार्मिक आस्था पर टिप्पणी लिखिए।

5. रघुवीर सहाय

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. रघुवीर सहाय का जन्म कब हुआ ?

   (अ) सन् 1932 में (ब) सन् 1929 में (स) सन् 1930 में (द) सन् 1933 में

2. निम्नलिखित में से रघुवीर सहाय का संबंध किस पत्रिका से नहीं है–

   (अ) कल्पना (ब) हंस (स) दिनमान (द) प्रतीक

3. निम्नलिखित में से किस काव्य – संग्रह पर रघुवीर सहाय को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला–

   (अ) सीढ़ियों पर धूप में (ब) आत्महत्या के विरुद्ध (स) लोग भूल गए हैं (द) हंसो हंसो जल्दी हंसो

4. ''जैसे बहन दा कहती है''– पंक्ति में दा शब्द का अर्थ है –

   (अ) पिता (ब) बड़ी बहन (स) बड़ा भाई (द) दादा

5. 'तोड़ो' कविता का भाव है–

   (अ) विवरणात्मक (ब) उद्‌बोधन परक (स) वर्णनात्मक (द) मनोविश्लेषणात्मक

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

1. ब 2. ब 3. स 4. स 5. ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. ''और यह कैलेंडर से मालूम था
   अमुक दिन अमुक बार मदन महीने की होवेगी पंचमी''–
   उपर्युक्त पंक्ति के माध्यम कवि ने मनुष्य की किस विडंबना पर व्यंग्य किया है ?
2. 'वसंत आया' कविता में कवि ने मनुष्य की किस प्रवृत्ति पर व्यंग्य किया है ?
3. 'वसंत आया' कविता की मूल संवेदना क्या है ?
4. ''अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है''– इस पंक्ति का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।
5. कवि को वसंत पंचमी के आगमन की सूचना किससे मिली और कैसे ?

निबंधात्मक प्रश्न–

1. 'वसंत आया' कविता में मनुष्य की किस जीवन शैली पर व्यंग्य किया गया है और क्यों ? स्पष्ट कीजिए।
2. 'तोड़ो' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए ।
3. 'तोड़ो' कविता के द्वारा मनुष्य की किस व्यथा को व्यक्त किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

6. तुलसीदास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. तुलसीदास का जन्म कब हुआ ?

   (अ) 1578 में (ब) 1537 में (स) 1532 में (द) 1576 में

2. हिंदी का सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य किसे माना जाता है ?

   (अ) विनयपत्रिका (ब) कवितावली (स) गीतावली (द) रामचरितमानस

3. 'रामचरितमानस' की रचना किन छंदों में की गई है ?

   (अ) दोहा–सोरठा (ब) गीतिका–हरिगीतिका (स) कविता–सवैया (द) दोहा–चौपाई

4. तुलसीदास की रचनाओं में मुख्यतः कौन–सी भाषा प्रयुक्त हुई है ?

   (अ) ब्रज (ब) अवधी (स) खड़ी बोली (द) अपभ्रंश

5. ''भरत–राम का प्रेम'' खंड 'रामचरितमानस' के किस भाग का अंश है ?

   (अ) उत्तरकांड (ब) बालकांड (स) लंकाकांड (द) अयोध्याकांड

6. ''देखि न जाहि बिकल महतारी''– इस पंक्ति में 'महतारी' शब्द का क्या अर्थ लिया गया है ?

   (अ) प्रजा (ब) माता (स) सेवक (द) गुरु

7. ''ए बर बाजि बिलोकि''– इस पंक्ति में 'बाजि' शब्द का क्या अर्थ है ?

   (अ) बाघ (ब) कबूतर (स) मोर (द) घोड़ा

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

1. स 2. द 3. द 4. ब 5. द 6. ब 7. द

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. तुलसीदास को लोकमंगल की साधना का कवि क्यों कहा गया है ?
2. राम के वन गमन के पश्चात भरत की मनोदशा का वर्णन कीजिए ।
3. ''विधि न सकेउ सहि मोर दुलारा।''– इस पंक्ति का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।
4. ''महिं सकल अनरथ कर मूला''– इस पंक्ति के माध्यम से भरत की मनोदशा अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
5. भरत ने राम की किन–किन विशेषताओं का वर्णन किया है ? लिखिए।
6. राम के वन गमन के बाद माता कौशल्या की मनोदशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।
7. ''तदपि दिनहिं दिन होत झांवरे मनहुं कमल हिममारे''– इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।
8. तुलसीदास का साहित्यिक परिचय लिखिए ।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

निबंधात्मक प्रश्न–

1. सिद्ध कीजिए कि ''तुलसीदास समन्वय के कवि हैं।''
2. तुलसीदास की रचना की काव्यगत विशेषताएं लिखिए ।
3. गीतावली के पदों के आधार पर सिद्ध कीजिए की माता कौशल्या 'वात्सल्य रस' की प्रतिमूर्ति हैं।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

7. मलिक मुहम्मद जायसी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. 'जायसी' की प्रसिद्धि का प्रमुख आधार है–

   (अ) आखिरी कलाम (ब) पद्मावत (स) अखरावट (द) दोहावली

2. जायसीकृत 'पद्मावत' की भाषा कौन सी है–

   (अ) खड़ी बोली (ब) मैथिली (स) अवधी (द) अपभ्रंश

3. 'जायसी' द्वारा रचित 'बारहमासा' किस ग्रंथ से लिया गया है–

   (अ) अखरावट (ब) गीतावली (स) आखिरी कलाम (द) पद्मावत

4. 'बारहमासा' में किस नायिका के विरह का वर्णन किया गया है ?

   (अ) पद्मावती (ब) चित्रा (स) नागमती (द) सुलेखा

5. नागमती के विरह की तुलना किससे की गई है–

   (अ) मयूर पक्षी से (ब) चकई और कोकिल से(स) शुक पक्षी से (द) भौंरे से

6. ''अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी।''– इस पंक्ति में 'अगहन' का प्रचलित नाम है–

   (अ) मार्गशीर्ष (ब) माघ (स) फाल्गुन (द) चौत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर–

1. ब 2. स 3. द 4. स 5. ब 6. अ

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

1. नायिका 'नागमती' भंवरे और कौए के माध्यम से नायक को क्या संदेश भेजना चाहती है ?
2. 'अगहन' मास में नायिका नागमती की विरह व्यथा अपने शब्दों में लिखिए।
3. ''सौर सुपेती आवै जूड़ी।''– इस पंक्ति का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।
4. फाल्गुन मास में नायिका 'नागमती' का विरह चौगुना क्यों बढ़ जाता है?
5. ''धनि सारस होइ ररि हुई, आई समेटहु पंख''– इस पंक्ति के माध्यम से नागमती अपने प्रियतम को क्या संदेश भेजना चाहती हैं ?
6. 'पूस' मास में नायिका की मनोदशा अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
7. ''अब धनि देवस विरह भा राती।''– इस कथन के माध्यम से नागमती के मनोभाव व्यक्त कीजिए।
8. ''यह दुख दगध न जानै कंतू''– इस पंक्ति के माध्यम से नागमती अपने स्वामी को किस बात की उलाहना दे रही हैं?
9. ''यह तन जारौं छार कै, कहौं कि पवन उड़ाई।''– इस पंक्ति के माध्यम से अंत में नायिका नागमती क्या इच्छा प्रकट करती है?

निबंधात्मक प्रश्न–

1. 'बारहमासा' के काव्य – सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।
2. बारहमासा की नायिका 'नागमती'की विरह–वेदना अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
3. सिद्ध कीजिए कि बारहमासा एक 'विरह काव्य' है ।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

8. विद्यापति

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. आदिकाल और भक्तिकाल का संधि कवि किसे कहा जाता है ?
   (अ) मलिक मोहम्मद जायसी (ब) विद्यापति
   (स) सेनापति (द) केशवदास ( )
2. विद्यापति किस राजा के अभिन्न मित्र, राजकवि एवं सलाहकार थे ?
   (अ) चितौड़ के राजा रत्नसेन (ब) महाराज इंद्रजीतसिंह
   (स) मिथिला नरेश राजा शिवसिंह (द) महाराज वीरसिंह देव ( )
3. विद्यापति की कौनसी रचना में भक्ति और श्रृंगार की गूँज दिखाई पड़ती है ?
   (अ) कीर्तिलता (ब) पुरुष परीक्षा (स) पदावली (द) कीर्तिपताका ( )
4. इतिहास में 'मैथिल कोकिल' उपनाम से सुशोभित कवि हैं –
   (अ) केशवदास (ब) रत्नाकर (स) जायसी (द) विद्यापति ( )
5. विद्यापति का जन्म कहाँ हुआ –
   (अ) मधुबनी (बिहार) (ब) कोल्हापुर (महाराष्ट्र) (स) सोरों (उत्तरप्रदेश) (द) बस्ती (उत्तरप्रदेश) ( )
6. विद्यापति के पदों में किसकी विरह–वेदना व्यक्त हुई है ?
   (अ) नायिका नागपति (ब) नायिका राधा (स) नायिका पद्मावति (द) नायिका चित्रा ( )
7. निम्नलिखित में से कौनसी रचना विद्यापति कृत नहीं है ?
   (अ) पुरुष परीक्षा (ब) कीर्तिलता (स) कीर्तिपताका (द) विनयपत्रिका ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. ब, 2. स, 3. स, 4. द, 5. अ, 6. ब, 7. द

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. सावन का महीना शुरू होते ही नायिका राधा की विरह–वेदना एकाएक बढ़ जाने के क्या कारण हैं ? अपने शब्दों में लिखिए।
2. 'आओत तोर मन भावन रे, एहि कातिक मास'।। – इस कथन के माध्यम से सखि काव्य नायिका को क्या संदेश देना चाहती है ?
3. नायिका राधा अपने प्रियतम के प्रति प्रेम के जो अनुभव व्यक्त किए हैं, उन्हें अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
4. 'जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल।' – इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
5. विरहिणी नायिका राधा की सखि, श्रीकृष्ण के समक्ष नायिका की विरह–व्यथा किस प्रकार प्रकट करती है ?

6. ''तोरह बिरह दिन छन–छन तनु छिन–

चौदसि–चाँद–समान।''

–उपर्युक्त पंक्ति के माध्यम से नायिका की मनोदशा अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

<u>निबंधात्मक प्रश्न</u>

1. विद्यापति के पदों के आधार पर नायिका राधा की विरह–वेदना अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
2. विद्यापति के पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि उनकी पदावली में जनभाषा में जन संस्कृति की अभिव्यक्ति हुई है ?

या

सिद्ध कीजिए कि विद्यापति एक जनकवि थे।

3. विद्यापति के पदों की काव्य–शैली लिखिए।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद
स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार

9. घनानंद (कवित्त)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. घनानन्द किस काल के कवि थे ?

   (अ) भक्तिकाल (ब) रीतिकाल (स) चारणकाल (द) आदिकाल ( )

2. कवि घनानन्द किसके दरबार में रहते थे ?

   (अ) बहादुर शाह (ब) फिरोज शाह (स) मुहम्मद शाह (द) अकबर ( )

3. कवि घनानन्द किससे प्रेम करते थे ?

   (अ) राधा से (ब) सुजान से (स) सावित्रि से (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं( )

4. घनानंद की काव्य भाषा है –

   (अ) अवधी (ब) मैथिली (स) अपभ्रंश (द) ब्रज ( )

5. 'आनाकानी आरसी निहारिबों करौगे कौलौं ?' – पंक्ति में 'आरसी' शब्द का क्या अर्थ है ?

   (अ) कंघा (ब) नगीना (स) दर्पण (द) वस्त्र ( )

6. निम्न में से कौनसी रचना घनानन्द की नहीं है ?

   (अ) सुजान सागर (ब) विरह लीला (स) कृपाकांड निबंध (द) रामचंद्रिका ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. ब, 2. स, 3. ब, 4. द, 5. स, 6. द

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. ''अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान,
   चाहत चलन ये संदेसो लै सुजान को।''
   – उपर्युक्त पंक्तियों के माध्यम से कवि घनानन्द की मनोदशा अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
2. 'रुई दिए रहौगे कहाँ लौ बहरायबे की ?' – इस कथन के माध्यम से कवि घनानन्द अपनी प्रेमिका को क्या उलाहना देना चाहते हैं ?
3. कवि घनानन्द के अनुसार प्रेयसी सुजान किस प्रकार से जिद्द पर अड़ी है ?
4. 'कूकभरी मूकता बुलाय आप बोलिहै।' – इस पंक्ति का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न –

1. दिए गए कवित के अनुसार सिद्ध कीजिए कि घनानन्द अपनी प्रेयसी सुजान से अत्यधिक प्रेम करते थे।
2. कवि घनानन्द की विरह–वेदना अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
3. सिद्ध कीजिए– ''कि घनानन्द के काव्य में प्रेम और भक्ति का अद्भुत संयोग है।''

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

आरोह – गद्य खंड

1. रामचंद्र शुक्ल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. रामचन्द्र शुक्ल का जन्म कब हुआ ?

   (अ) सन् 1889 (ब) सन् 1884 (स) सन् 1888 (द) सन् 1881 ( )

2. रामचन्द्र शुक्ल की कीर्ति का अक्षय स्त्रोत किस ग्रंथ को माना जाता है ?

   (अ) गोस्वामी तुलसीदास (ब) हिंदी साहित्य का इतिहास

   (स) चिंतामणि (द) रस मीमांसा ( )

3. 'प्रेमघन की छाया स्मृति' किस तरह की रचना है ?

   (अ) रेखाचित्र (ब) यात्रावृतांत (स) व्यंग्य (द) संस्मरणात्मक निबंध ( )

4. शुक्ल जी द्वारा रचित 'चिंतामणि ' कितने भागों में प्रकाशित हुई ?

   (अ) चार भाग (ब) आठ भाग (स) तीन भाग (द) पाँच भाग ( )

5. 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ में 'प्रेमघन' किस कवि का उपनाम है ?

   (अ) जयशंकर प्रसाद (ब) रामनरेश त्रिपाठी (स) बदरीनारायण चौधरी (द) रघुवीर सहाय ( )

6. 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ में 'मिर्जापुर' शब्द का क्या अर्थ लिया गया है ?

   (अ) सरस्वती नगर (ब) लक्ष्मीपुर (स) यमुना नगर (द) अलीपुर ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. ब 2. ब 3. द 4. अ 5. स 6. ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. लेखक रामचंद्र शुक्ल की हिन्दी साहित्य में रुचि किस प्रकार बढ़ती गई ?
2. लेखक हिंदी के प्रसिद्ध कवि बदरीनारायण चौधरी से क्यों मिलना चाहता था ?
3. लेखक ने बदरीनारायण चौधरी की जो पहली झलक देखी, उसे अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
4. लेखक रामचंद्र शुक्ल की मंडली में कौन–कौन शामिल थे ?
5. लेखक के पिताजी पुस्तकों को छिपाकर क्यों रखने लगे थे ?
6. ''इस पुरातत्व की दृष्टि में प्रेम और कुतूहल का एक अद्‌भुत मिश्रण रहता था।''– यह कथन किसने, किसके संदर्भ में और क्यों कहा है ?
7. ''चौधरी साहब एक खासे हिंदुस्तानी रईस थे।'' – 'प्रेमघन की छाया स्मृति'' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. ''खंभा टेकि खड़ी जैसे नारि मुगलाने की।'' – यह कथन किसने, किसके संदर्भ में और क्यों कहा ?

9. ''जल ही खाया है कि कुछ फलाहार भी पिया है ?'' – यह प्रश्न किसने, किससे व किस संदर्भ में किया ?

10. ''हम लोग उन्हें एक पुरानी चीज समझा करते थे। '' – लेखक ने चौधरी साहब के सन्दर्भ में ऐसा क्यों कहा ?

11. रामचंद्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. लेखक रामचंद्र शुक्ल के परिवार के साहित्यिक वातावरण का परिचय अपने शब्दों में दीजिए।

2. बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

2. पंडित चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'चन्द्रधर शर्मा गुलेरी' का जन्म कहाँ हुआ ?
   (अ) अगोना, उत्तरप्रदेश (ब) पूर्णिया, बिहार
   (स) पुरानी बस्ती, जयपुर (द) इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश ( )
2. निम्न में से कौनसी पत्रिका गुलेरी जी से संबंधित नहीं है –
   (अ) माधुरी (ब) मर्यादा (स) समालोचक (द) प्रतिभा ( )
3. किस लेखक को इतिहास दिवाकर की उपाधि से सम्मानित किया गया है ?
   (अ) रामचंद्र शुक्ल (ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी (स) जैनेन्द्र (द) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ( )
4. 'सुमिरिनी के मनके' अध्याय में कितने निबंध दिए गए हैं ?
   (अ) चार (ब) दो (स) तीन (द) पाँच ( )
5. 'बालक बच गया' निबंध का मूल प्रतिपा़द्य है –
   (अ) बाल श्रम (ब) शिक्षा ग्रहण की सही उम्र
   (स) बाल विवाह (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )
6. 'ढेले चुन लो' निबंध में चोट की गई है –
   (अ) विधवा विवाह पर (ब) दहेज प्रथा पर (स) अंधविश्वासों पर (द) बाल मजदूरी पर ( )
7. 'बालक बच गया' निबंध में प्रधान अध्यापक के बच्चे की उम्र कितनी थी ?
   (अ) सात वर्ष (ब) नौ वर्ष (स) आठ वर्ष (द) पाँच वर्ष ( )
8. 'बालक बच गया' निबंध में बालक ने इनाम में क्या मांगा ?
   (अ) पुस्तक (ब) लड्डू (स) डायरी (द) पेन ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. स, 2. स, 3. द, 4. स, 5. ब, 6. स, 7. स, 8. ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'बालक बच गया' निबंध में 'बालक' ने किन–किन प्रश्नों के उत्तर दिए ? संक्षेप में लिखिए।
2. 'बालक बच गया' निबंध के आधार पर प्रधान अध्यापक के बच्चे का दृश्य अपने शब्दों में लिखिए।
3. 'तू इनाम माँगे वही दें।' – इस प्रश्न को सुनकर बच्चे के मुख पर जो परिवर्तन हुए उन्हें अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
4. 'बालक बच गया' निबंध की मूल संवदेना लिखिए।

5. ''बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटना अनुचित है।'' – 'बालक बच गया' निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
6. 'धर्म का रहस्य जानना वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है।' – लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए।
7. 'घड़ी के पुर्जे' – निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए।
8. वैदिक काल में हिंदू धर्म में पत्नीवरण की प्रक्रिया अपने शब्दों में लिखिए।
9. 'जीवन साथी' का चुनाव मिट्टी के ढेलों पर छोड़ना कहाँ तक उचित है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
10. 'ढेले चुन लो' निबन्ध द्वारा समाज की किस मान्यता पर चोट की गई है और क्यों ?

निबंधात्मक प्रश्न

1. 'बालक बच गया' निबंध में समाज की किस मानसिकता पर चोट की गई है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।
2. 'घड़ी के पुर्जे' निबंध में 'धर्माचार्यों' की किस संकीर्ण मानसिकता पर व्यंग्य किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।
3. 'ढ़ेले चुन लो' निबंध में समाज में व्याप्त किस अंधविश्वास को उजागर किया गया है ? क्या वर्तमान में यह स्थिति प्रासंगिक है ? तर्क सहित लिखिए।

3. फणीश्वरनाथ रेणु

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

1. 'फणीश्वरनाथ रेणु' का जन्म कब हुआ ?
   (अ) सन् 1929 (ब) सन् 1931
   (स) सन् 1923 (द) सन् 1921 ( )
2. 'फणीश्वरनाथ रेणु' किस शैली के कहानीकार हैं ?
   (अ) यथार्थपरक (ब) आदर्शवादी
   (स) आंचलिक (द) आदर्शोन्मुख यथार्थवादी ( )
3. निम्न में से कौनसा कहानी संग्रह 'फणीश्वरनाथ रेणु' का नहीं है ?
   (अ) ठुमरी (ब) भाग्य रेखा
   (स) अगिनखोर (द) आदिम रात्रि की महक ( )
4. निम्न में से कौनसा प्रसिद्ध उपन्यास 'रेणु' का है ?
   (अ) गोदान (ब) मैला आंचल
   (स) त्यागपत्र (द) तमस ( )
5. 'संवदिया' कहानी किस परिवेश की कहानी है ?
   (अ) शहरी जीवन शैली (ब) ग्रामीण परिवेश
   (स) उपर्युक्त दोनों (द) दोनों में से कोई नहीं ( )
6. 'संवदिया' कहानी में 'संवदिया' का क्या अर्थ है ?
   (अ) संवाद ले जाने वाला (ब) जमींदारी का काम करने वाला
   (स) सूदखोर (द) नकलची ( )
7. 'संवदिया' कहानी में 'संवदिया' का क्या नाम है ?
   (अ) रामविलास (ब) हरिप्रसाद
   (स) हरगोबिन (द) हरिशंकर ( )
8. ''उधार का सौदा खाने में बड़ा मीठा लगता है'' – यह कथन किसने कहा ?
   (अ) बड़ी बहुरिया ने (ब) मोदिआइन ने
   (स) हरगोबिन ने (द) गुल मुहम्मद आगा ने ( )
9. 'चुप रह मुँह–झौंसे! निमौछिये .... । '' – यह कथन किसने, किससे कहा ?
   (अ) बड़ी बहुरिया ने गुल मुहम्मद से (ब) मोदिआइन ने गुल मुहम्मद से
   (स) बड़ी बहुरिया ने हरगोबिन से (द) मोदिआइन ने हरगोबिन से ( )

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. द 2. स 3. ब 4. ब 5. ब 6. अ 7. स 8. ब 9. द

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. बड़ीं बहुरिया ने आँख के इशारे से हरगोबिन को कुछ देर बैठने को क्यों कहा ?
2. बड़ी बहुरिया के जीवन में विकट परिस्थितियाँ किन कारणों से पैदा हुई ?
3. ''चुप रह मुँह–झौंसे! निमोछिये'' ....। – यह कथन किसने, किससे व क्यों कहा ?
4. ''बाकी–बकाया वसूलने का यह काबुली–कायदा तो तुमने खूब सीखा है। यह कथन किसने, किससे व किस सन्दर्भ में कहा ?
5. ''और कितना कड़ा करूँ दिल ?'' – बड़ी बहुरिया के इस कथन में छिपी पीड़ा को अपने शब्दों में लिखिए।
6. हरगोबिन संवदिया चाहकर भी बड़ी बहुरिया का संवाद नहीं देकर आया। क्यों ? स्पष्ट कीजिए।
7. बड़ी बहुरिया संवाद भेजने के बाद पछतावा क्यों कर रही थी ?
8. बड़ी बहुरिया ने संवदिया को संवाद देकर क्यों भेजा ?
9. हरगोबिन ने जाललगढ़ वापस आकर बड़ी बहुरिया से क्या वादा किया और क्यों ?

निबंधात्मक प्रश्न

1. 'संवदिया' कहानी के आधार पर समाज में एक विधवा स्त्री को किन–किन संकटों का सामना करना पड़ता है ? लिखिए।
2. 'संवदिया' कहानी के आधार पर समाज में नारी के प्रति लोगों की किस मानसिक संकीर्णता को उजागर किया गया है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

4. भीष्म साहनी

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

1. भीष्म साहनी का जन्म कहाँ हुआ ?
   (अ) लाहौर, पाकिस्तान (ब) अगोना, उत्तरप्रदेश
   (स) रावलपिंडी, पाकिस्तान (द) औराही हिंगना, बिहार ( )
2. निम्न में से कौनसा कहानी संग्रह 'बालोपयोगी कहानियों' से संबंधित है –
   (अ) पहला पाठ (ब) गुलेल का खेल
   (स) डायन (द) निशाचर ( )
3. भीष्म साहनी को किस उपन्यास पर 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार मिला ?
   (अ) झरोखे (ब) कुंतो
   (स) तमस (द) नीलू नीलिमा नीलोफर ( )
4. 'गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफात' संस्मरण भीष्म साहनी के किस ग्रंथ का अंश है ?
   (अ) तमस (ब) आज के अतीत
   (स) कड़ियाँ (द) पहला पाठ ( )
5. 'गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफात' किस तरह की रचना है ?
   (अ) कहानी (ब) यात्रावृतांत
   (स) संस्मरण (द) निबंध ( )
6. 'भीष्म साहनी' के बड़े भाई का क्या नाम था ?
   (अ) बलजीत (ब) बलराम
   (स) बलदेव (द) बलराज ( )
7. भीष्म साहनी के भाई 'बलराज' किस पत्रिका के सह–संपादक थे ?
   (अ) कल्पना (ब) नयी तालीम
   (स) समन्वय (द) मतवाला ( )
8. लेखक 'भीष्म साहनी' का गांधी जी से प्रथम परिचय कहाँ हुआ ?
   (अ) जामनगर (ब) मुंबई
   (स) दिल्ली (द) सेवाग्राम ( )
9. गांधी जी के निजी सचिव कौन थे ?
   (अ) महादेव गोविन्द रानाडे (ब) महादेव देसाई
   (स) डॉ. नय्यर (द) मिस्टर जॉन ( )

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

10. लेखक 'भीष्म साहनी' का 'नेहरू जी' से प्रथम परिचय कहाँ हुआ ?

(अ) नेपाल (ब) कश्मीर

(स) मुंबई (द) वर्धा ( )

11. 'भीष्म साहनी' का यास्सेर अराफात से परिचय कहाँ हुआ था ?

(अ) ट्यूनिस में (ब) स्वीडन में

(स) मलेशिया में (द) पेरिस में ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. स 2. ब 3. स 4. ब 5. स 6. द 7. ब 8. द 9. ब 10. ब 11. अ

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. लेखक का गांधी जी से प्रथम परिचय कब व किस प्रकार हुआ ?
2. ''अच्छा ! इसे भी घेर लिया'' – यह कथन, किसने, किससे व क्यों कहा ?
3. रावलपिंडी का नाम सुनकर गांधी जी की आँखों में चमक आने का क्या कारण था ?
4. सेवाग्राम में लेखक का परिचय और किन–किन लोगों से हुआ ?
5. लेखक 'भीष्म साहनी' का 'नेहरू जी' से प्रथम परिचय किस प्रकार हुआ ?
6. ''अरे, मैं उन दिनों कितना काम कर लेता था। कभी थकता ही नहीं था।'' – इस कथन के माध्यम से गांधी जी के व्यक्तित्व की कौनसी विशेषता उजागर होती है ? स्पष्ट कीजिए।
7. लेखक ने नेहरू जी को देखकर कौनसी बचकाना हरकत की और क्यों ?
8. लेखक को फिलिस्तीनी नेता यास्सेर अराफात ने मिलने के लिए क्यों बुलाया ?
9. यास्सेर अराफात के अनुसार फिलिस्तीन के प्रति हमारे देशवासियों का नजरिया कैसा था ?

निबंधात्मक प्रश्न

1. 'गाँधी जी' त्याग, शांति, अहिंसा, सादगी व समर्पण के पुजारी थे। – गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफात संस्करण के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
2. 'नेहरू जी' की लोकप्रियता संपूर्ण देश में थी। – पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
3. 'यास्सेर अराफात' के व्यक्तित्व व उनके हमारे देश के प्रति नजरिए पर प्रकाश डालिए।

5. असगर वजाहत

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'शेर' कहानी में 'शेर' किसका प्रतीक है ?
   (अ) क्रांति (ब) व्यवस्था
   (स) भूखमरी (द) अंधविश्वास ( )
2. 'पहचान' कहानी के आधार पर राजा को कैसी प्रजा पसंद है ?
   (अ) क्रांति करने वाली (ब) शांतिपूर्वक विरोध करने वाली
   (स) बहरी, गूँगी और अंधी (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )
3. 'चार हाथ' कहानी उजागर करती है –
   (अ) बाल मजदूरी (ब) मजदूरों का शोषण
   (स) नारी अत्याचार (द) भ्रष्टाचार ( )
4. 'साझा' कहानी के अनुसार पूँजीपतियों की नजर है –
   (अ) उद्योगों पर (ब) मजदूरों (शोषित) पर
   (स) किसानों की जमीन पर (द) सरकार पर ( )
5. 'साझा' कहानी में 'हाथी' किसका प्रतीक है ?
   (अ) पूंजीपति वर्ग का (ब) शोषित का
   (स) सरकार का (द) एक विशालकाय जानवर का ( )
6. 'चार हाथ' कहानी में मिल मालिक ने अपने फायदे के लिए अंतिम उपाय क्या किया ?
   (अ) लकड़ी के हाथ लगवाए (ब) लोहे के हाथ लगवाए
   (स) मजदूरी आधी कर दी (द) प्लास्टिक के हाथ लगवाए ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. ब 2. स 3. ब 4. स 5. अ 6. स

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'चार हाथ' कहानी में मिल मालिक ने अपने मुनाफे के लिए क्या–क्या उपाय किए और अंत में किस उपाय में सफल रहे ?
2. 'चार हाथ' कहानी की मूल संवेदना लिखिए।
3. 'शेर' कहानी के माध्यम से देश की किस व्यवस्था पर प्रहार किया गया है ? समझाइए।
4. जानवरों द्वारा शेर के शिकार नहीं करने के कौन–कौन से कारण बताए गए ?
5. 'चार हाथ' कहानी समाज के शोषित वर्ग की पीड़ा को उजागर करती है। स्पष्ट कीजिए।

6. 'पहचान' कहानी के आधार पर देश की गिरती हुई राजनीतिक व्यवस्था पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
7. 'पहचान' कहानी के आधार पर बताइए कि राजा किस प्रकार की प्रजा पसंद करता है और क्यों ?
8. 'पहचान' लघु कथा से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?
9. 'साझा' कहानी द्वारा पूंजीपतियों की किस मनोवृत्ति पर व्यंग्य किया गया है ? लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. 'साझा' कहानी किसानों की दुरावस्था को उजागर करती है। स्पष्ट कीजिए।
2. 'साझा' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि आजादी के पचहत्तर वर्षो के बाद भी किसानों की स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है।
3. 'चार हाथ' कहानी के माध्यम से समाज के पूँजीपति वर्ग की संवेदनहीनता पर व्यंग्य किया गया है। कैसे ?
4. 'शेर' कहानी वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था के सन्दर्भ में प्रासंगिक प्रतीत होती है। स्पष्ट कीजिए।

6. निर्मल वर्मा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निर्मल वर्मा का जन्म कब हुआ ?

   (अ) सन् 1927 (ब) सन् 1929

   (स) सन् 1931 (द) सन् 1926 ( )

2. निम्न में से कौनसा उपन्यास निर्मल वर्मा द्वारा रचित नहीं है ?

   (अ) वे दिन (ब) लाल टीन की छत

   (स) अंतिम अरण्य (द) निर्मला ( )

3. निर्मल वर्मा के कौनसे उपन्यास पर सीरियल तैयार किया गया है ?

   (अ) अंतिम अरण्य (ब) एक चिथड़ा सुख

   (स) रात का रिपोर्टर (द) लाल टीन की छत ( )

4. निम्न में से किस रचना पर 'निर्मल वर्मा' को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ?

   (अ) परिंदे (ब) कव्वे और काला पानी

   (स) तीन एकांत (द) वे दिन ( )

5. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' – किस तरह की रचना है ?

   (अ) संस्मरण (ब) रेखाचित्र

   (स) निबंध (द) यात्रा–वृतांत ( )

6. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ किस रचना से लिया गया है ?

   (अ) हर बारिश में (ब) चीड़ों पर चाँदनी

   (स) धुंध से उठती धुन (द) ढलान से उतरते हुए ( )

7. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' अध्याय में लेखक ने किस स्थान की यात्रा का वर्णन किया है ?

   (अ) बड़ागाँव (ब) नवागाँव

   (स) सिंगनौर (द) पीपलाद ( )

8. 'जहाँ कोई वापसी नहीं' यात्रा–वृतांत की मूल संवेदना है –

   (अ) विस्थापन की समस्या (ब) गरीबों का शोषण

   (स) भ्रष्टाचार की समस्या (द) गिरते मानवीय मूल्य ( )

9. 'सिंगरौली' का नाम किससे निकला है ?

   (अ) सृंगावली पर्वतमाला (ब) सृंगावली घास से

   (स) सृंगावली राजकुमारी से (द) सृंगावली वन से ( )

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

10. लेखक को किस संस्था ने 'सिंगरौली' भेजा था ?

(अ) प्रगतिशील लेखक संघ (ब) लोकायतन संस्था

(स) स्वयं सेवी संस्था (द) एफ्रो– एशियाई लेखक संघ ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. ब 2. द 3. स 4. ब 5. द 6. स 7. ब 8. अ 9. अ 10. ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. आधुनिक भारत के 'नए शरणार्थी' किसे कहा गया है और क्यों ? स्पष्ट कीजिए।
2. 'सिंगरौली' का नाम किस पर्वतमाला से निकला है ? कारण स्पष्ट कीजिए।
3. ''सिंगरौली एक जमाने में अपने अतुल प्राकृतिक सौन्दर्य के बावजूद– 'काला पानी' माना जाता था।'' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ?
4. 'अमझर गांव में पिछले दो–तीन वर्षो से पेड़ों पर सूनापन हैं' – इस कथन में छिपी हुई संवेदना स्पष्ट कीजिए।
5. 'सिंगरौली' क्षेत्र में विस्थापन की समस्या किस कारण पैदा हुई ? लिखिए।
6. ''विकास के 'उजले' पहलू के पीछे 'विनाश' का अंधेरा छिपा रहता है'' – 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
7. लेखक के अनुसार आजादी के बाद हमें देश के विकास के लिए कौनसा विकल्प चुनना चाहिए था? स्पष्ट कीजिए।
8. तमाम कोशिशों के बावजूद भी अंग्रेजी राज हिंदुस्तान को संपूर्ण रूप से अपनी 'सांस्कृतिक कॉलोनी' बनाने में सफल क्यों नहीं हो पाया ?
9. स्वतंत्रता के बाद देश की सबसे बड़ी 'ट्रेजेडी' किसे बताया गया है और क्यों ?
10. ''औद्योगीकरण के साथ–साथ पर्यावरण संतुलन भी बिगड़ता जा रहा है।'' – इस कथन से आप सहमत हैं या असहमत ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
11. निर्मल वर्मा का साहित्यिक परिचय लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. ''तीव्र गति से बढ़ते औद्योगीकरण ने व्यापक पैमाने पर विस्थापन की समस्या पैदा की है।'' इसके कारण व दुष्परिणामों पर विचार व्यक्त कीजिए।
2. ''औद्योगीकरण से पर्यावरण को व्यापक पैमाने पर नुकसान हो रहा है'' – इस कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए।
3. आपके विचार से औद्योगीकरण से होने वाली विस्थापन की समस्या को रोकने के लिए क्या उपाय करने चाहिए ? समझाइए।

7. ममता कालिया

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

1. 'ममता कालिया' का जन्म कहाँ हुआ ?
   (अ) पूर्णिया (बिहार) (ब) रावलपिंडी (पाकिस्तान)
   (स) उन्नाव (उत्तरप्रदेश) (द) मथुरा (उत्तरप्रदेश) ( )
2. 'ममता कालिया' के कहानी संग्रह का क्या नाम है ?
   (अ) संपूर्ण कहानियाँ (दो खंड) (ब) साहित्य साधना (तीन खंड)
   (स) कथा–भंडार (दो खंड) (द) कथा संसार (तीन खंड) ( )
3. निम्न में से कौनसा पुरस्कार 'ममता कालिया' को नहीं मिला ?
   (अ) साहित्य भूषण (ब) साहित्य अकादमी
   (स) कहानी सम्मान (द) रचना पुरस्कार ( )
4. 'दूसरा देवदास' कहानी के रचनाकार हैं –
   (अ) महादेवी वर्मा (ब) मन्नू भंडारी
   (स) ममता कालिया (द) निर्मल वर्मा ( )
5. 'दूसरा देवदास' कहानी में मन्नू की बुआ का क्या नाम था ?
   (अ) नीलम (ब) पारो
   (स) चित्रा (द) सीमा ( )
6. 'दूसरा देवदास' कहानी में लेखिका ने किस परिवेश को केन्द्र में रखा है ?
   (अ) काशी (ब) मथुरा
   (स) हरिद्वार (द) अयोध्या ( )
7. 'गंगापुत्र' किसे कहा गया है ?
   (अ) पुजारी को (ब) मन्नू को
   (स) गोताखोरों को (द) पारो को ( )
8. 'दूसरा देवदास' कहानी के नायक कौन हैं ?
   (अ) रामू (ब) संभव
   (स) बंटी (द) मोहन ( )
9. 'दूसरा देवदास' कहानी में 'ब्यालू' का क्या अर्थ है ?
   (अ) दोपहर का भोजन (ब) शाम का भोजन
   (स) सुबह का भोजन (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

10. 'मन्नू घर नहीं चलना क्या ?' – यह कथन किसका है ?

(अ) संभव का (ब) नानी का

(स) पारो का (द) रामू का ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. द 2. अ 3. ब 4. स 5. ब 6. स 7. स 8. ब 9. ब 10. स

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'दूसरा देवदास' कहानी में गंगापुत्र किसे कहा गया है और क्यों ?
2. संभव और पारो का प्रथम परिचय कहाँ और कैसे हुआ ? लिखिए।
3. 'हर की पौड़ी' का संध्या के समय होने वाली आरती के दृश्य को अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
4. नानी के बार–बार कहने पर भी संभव भोजन क्यों नहीं कर रहा था ? स्पष्ट कीजिए।
5. संभव के मन में प्रेम का प्रथम अंकुरण कब व कैसे हुआ ? लिखिए।
6. 'दूसरा देवदास' कहानी में 'नीलांजलि' किसे कहा गया है ? समझाइए।
7. क्या संभव के मन में मंदिरों आदि के प्रति श्रद्धा थी ? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
8. 'संभव' हरिद्वार अपनी नानी के पास किस उद्देश्य से आया था ?
9. ''नहीं हम कल आरती की बेला आएँगे'' – लड़की के इस कथन का पुजारी ने क्या अर्थ लिया और क्यों ?

निबंधात्मक प्रश्न

1. ''मनोकामना की गाँठ भी अद्भुत, अनूठी है, इधर बाँधो उधर लग जाती है ...... '' यह कथन किसने व किस संदर्भ में कहा ? क्या इस कथन से आप सहमत हैं ? समझाइए।
2. आरती के समय हरिद्वार के परिवेश का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
3. ''इस भीड़ में एक सूत्रता थी न जाति का महत्त्व था, न भाषा का'' – दूसरा देवदास कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए। दूसरा देवदास कहानी का उद्देश्य लिखिए।

8. हजारी प्रसाद द्विवेदी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म कब हुआ ?

(अ)	सन् 1909	(ब)	सन् 1907	
(स)	सन् 1911	(द)	सन् 1917	( )

2. किस रचना पर हजारी प्रसाद द्विवेदी को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला ?

(अ)	अशोक के फूल	(ब)	कुटज	
(स)	बाणभट्ट की आत्मकथा	(द)	आलोक पर्व	( )

3. भारत सरकार द्वारा हजारी प्रसाद द्विवेदी को किस पुरस्कार से सम्मानित किया गया ?

(अ)	पद्म श्री	(ब)	पद्म विभूषण	
(स)	भारत रत्न	(द)	पद्म भूषण	( )

4. 'कुटज' निबंध में 'कुटज' का क्या अर्थ है ?

(अ)	शैतान	(ब)	जंगली जानवरी	
(स)	जंगली पौधा	(द)	एक पक्षी	( )

5. 'कुटज' का प्रतीकात्मक अर्थ है –

(अ)	अपराजेय जीवन शक्ति	(ब)	आत्मविश्वास	
(स)	स्वावलंबन	(द)	उपर्युक्त सभी	( )

6. 'हजारी प्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली' कितने भागों में संकलित है ?

(अ)	दस	(ब)	सात	
(स)	ग्यारह	(द)	बारह	( )

7. निम्न में से कौनसी रचना द्विवेदी जी का निबंध संकलन नहीं है ?

(अ)	अनामदास का पोथा	(ब)	अशोक के फूल	
(स)	आलोक पर्व	(द)	कुटज	( )

8. 'कुटज' निबंध में प्रयुक्त 'स्तबक' का क्या अर्थ है ?

(अ)	आश्चर्यचकित	(ब)	फूलों का गुच्छा	
(स)	चंचल	(द)	संन्यासी	( )

9. 'कुटज' निबंध में द्विवेदी जी ने 'गाढ़े का साथी' किसे कहा है ?

(अ)	पर्वत को	(ब)	नदी को	
(स)	महर्षि याज्ञवल्क्य को	(द)	कुटज को	( )

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. ब 2. द 3. द 4. स 5. द 6. स 7. अ 8. ब 9. द

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. ''जीना भी एक कला है'' – 'कुटज' निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
2. 'कुटज' निबंध से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?
3. 'कुटज' को 'गाढ़े का साथी' क्यों कहा गया है ? स्पष्ट कीजिए।
4. ''कुटज कठोर पाषाण को भेदकर व पाताल की छाती चीरकर भी भोग्य ग्रहणकर लेता है।'' – इस कथन की मानव जीवन में क्या प्रासंगिकता है ?
5. लेखक द्विवेदी जी ने स्वार्थी लोगों की क्या–क्या विशेषताएं बताई हैं ?
6. 'कुटज' निबंध के आधार पर हिमालय की शोभा का वर्णन कीजिए।
7. 'कुटज अपराजेय जीवन शक्ति की घोषणा करता है।' कैसे ?
8. 'कुटज अपने मन पर सवारी करता है, मन को अपने पर सवार नहीं होने देता।' – स्वयं के सन्दर्भ में इस कथन का महत्व प्रतिपादित कीजिए।
9. 'हजारी प्रसाद द्विवेदी' का साहित्यिक परिचय लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. 'कुटज' निबंध के माध्यम से किस मानवीय सत्य को उद्‌घाटित किया गया है ? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
2. 'जीना भी एक कला है' – कुटज निबंध के आधार पर इस कथन प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए।
3. लेखक ने 'कुटज' की किन–किन विशेषताओं को उजागर किया है और उनकी मानव जीवन में क्या प्रासंगिकता है ? लिखिए।

अन्तराल

1. सूरदास की झोपड़ी

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

1. 'सूरदास की झोपड़ी' पाठ के लेखक कौन हैं ?

(अ) जयशंकर प्रसाद (ब) मुंशी प्रेमचंद

(स) धर्मवीर भारती (द) प्रभाष जोशी ( )

2. 'सूरदास की झोपड़ी' प्रेमचंद के किस उपन्यास का अंश है ?

(अ) कर्मभूमि (ब) गोदान

(स) गबन (द) रंगभूमि ( )

3. सूरदास की झोपड़ी में आग किसने लगाई थी ?

(अ) जगधर ने (ब) सुभागी ने

(स) भैरों ने (द) मिठुआ ने ( )

4. 'सूरदास' के बेटे का क्या नाम था ?

(अ) बंटी (ब) मिठुआ

(स) मंगल (द) मन्नू ( )

5. ''जो कोई सौ लाख बार झोंपड़ी को आग लगा दे तो'' – यह कथन किसका है ?

(अ) भैरों का (ब) मिठुआ का

(स) सुभागी का (द) नायकराम का ( )

6. ''तो हम सौ लाख बार बनाएंगे'' – यह कथन किसका है ?

(अ) सुभागी का (ब) जगधर का

(स) सूरदास का (द) नायकराम का ( )

7. ''तुम्हारी तरफ से मेरा दिल साफ है।'' –सूरदास ने यह कथन किसने संदर्भ में कहा था ?

(अ) नायकराम (ब) ठाकुरदीन

(स) भैरों (द) जगधर ( )

8. 'सुभागी' किसकी पत्नी थी ?

(अ) ठाकुरदीन की (ब) सूरदास की

(स) भैरों की (द) नायकराम की ( )

9. 'मिठुआ' क्यों रो रहा थ ?

(अ) घीसू द्वारा मारे जाने पर (ब) खेल में हारने पर

(स) झोपड़ी जलने पर (द) सूरदास द्वारा मारे जाने पर ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. ब 2. द 3. स 4. ब 5. ब 6. स 7. द 8. स 9. अ

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. ''अंधे भिखारी के लिए दरिद्रता इतनी लज्जा की बात नहीं है, जितना धन।'' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ?
2. समाज में सूरदास की बदनामी का क्या कारण था ? 'सूरदास की झोपड़ी' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
3. सूरदास अपने धन की बात गुप्त क्यों रखना चाहता था ? स्पष्ट कीजिए।
4. सूरदास धन संचय करके क्या–क्या करना चाहता था ?
5. भैरों की पत्नी सुभागी सूरदास की झोपड़ी में क्यों छिपी थी ? पाठ से आधार पर संक्षेप में उत्तर दीजिए।
6. ''यह फूस की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी।'' – 'सूरदास की झोपड़ी' पाठ के आधार पर इस कथन को सिद्ध कीजिए।
7. 'सूरदास की झोपड़ी' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि ''नारी को आज भी समाज में उचित स्थान नहीं मिल पाया है।''
8. सुभागी ने सूरदास की मदद करने के लिए क्या प्रयास किए ?
9. सूरदास की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. 'तो हम भी सौ लाख बार बनाएँगे।' – 'सूरदास' के इस कथन में छिपे भावों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए।
2. 'सूरदास उठ खड़ा हुआ और विजय गर्व की तरंग में राख के ढेर को दोनों हाथों से उड़ाने लगा।' – उपर्युक्त कथन में निहित भावों को अपने शब्दों में लिखिए।
3. 'तुम खेल में रोते हो' – इस कथन का सूरदास पर क्या प्रभाव पड़ा ?
4. 'आशा से ज्यादा दीर्घजीवी और कोई वस्तु नहीं होती' – इस कथन में निहित भाव अपने शब्दों में लिखिए।

2. बिस्कोहर की माटी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के लेखक कौन हैं ?
   (अ) रामनरेश त्रिपाठी (ब) विश्वनाथ त्रिपाठी
   (स) गणेशनारायण त्रिपाठी (द) संजीव कुमार ( )
2. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ 'विश्वनाथ त्रिपाठी' की किस रचना का अंश है ?
   (अ) देश के इस दौर में (ब) कुछ कहानियाँ कुछ विचार
   (स) नंगातलाई का गांव (द) हिंदी आलोचना ( )
3. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ किस शैली में लिखा गया है ?
   (अ) संस्मरणात्मक (ब) कथात्मक
   (स) यात्रा–वृतांत (द) आत्मकथात्मक ( )
4. 'कमल–पत्र' का दूसरा नाम क्या है ?
   (अ) भसीण (ब) भटकटैया
   (स) पुरइन (द) कदंब ( )
5. 'भसीण' किसे कहते हैं ?
   (अ) कमल नाल को (ब) कमल पत्र को
   (स) एक फल का नाम (द) एक सांप की प्रजाति ( )
6. 'कोइयाँ' है –
   (अ) एक पक्षी (ब) एक जलीय जीव
   (स) एक जल पुष्प (द) एक फल का नाम ( )
7. 'कोइयाँ' का दूसरा नाम है –
   (अ) भसीण (ब) पुरइन
   (स) कमल (द) कुमुद ( )
8. 'सुजनी' किसे कहते हैं ?
   (अ) सूई की डोरी से बनी कथरी (ब) एक जलीय पुष्प
   (स) एक साँप की प्रजाति (द) एक खट्टा फल ( )
9. 'डोंड़हा और मजगिदवा' किसकी प्रजाति हैं ?
   (अ) घास की (ब) साँप की
   (स) फसल की (द) फल की ( )

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

10. निम्न में से साँप की कौनसी प्रजाति दो मुँह वाली होती है ?

(अ) घोर कड़ाइच (ब) भटिहा

(स) फेंटारा (द) मजगिदवा ( )

11. खेतों में पानी देने के लिए बनाई जाने वाली छोटी नालियों को क्या कहते हैं ?

(अ) गोंजर (ब) सेवार

(स) बरहा (द) बोका ( )

12. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में 'बतिया' का क्या अर्थ है ?

(अ) बिछौना (ब) टीला

(स) फल का अविकसित रूप (द) भरपूर ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. ब 2. स 3. द 4. स 5. अ 6. स 7. द 8. अ 9. ब 10. ब 11. स 12. स

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. 'भसीण' क्या है और इसकी क्या विशेषताएँ हैं ? लिखिए।
2. 'कोइयाँ' क्या है ? इसकी विशेषताएँ लिखिए।
3. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में फूलों की कौन–कौन सी प्रजातियाँ बताई गई हैं ?
4. बिसनाथ के बचपन की विशेषताएं लिखिए।
5. 'बिसनाथ पर कौनसा अत्याचार हुआ और इसका क्या कारण था?
6. 'बिस्कोहर की माटी' अध्याय में साँपों की कौन–कौन सी प्रजातियों का वर्णन किया गया है ? उनकी विशेषताएँ भी लिखिए।
7. गरमी में लू से बचने के लिए बिसनाथ की माँ कौन–कौन से उपाय करती थी ?
8. ''प्रकृति सजीव नारी बन गई।'' – 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर 'बिस्कोहर' के प्राकृतिक दृश्य का चित्रण कीजिए।
9. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ का उद्देश्य लिखिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर वर्षा ऋतु में ग्रामीण परिवेश के मनोहारी दृश्य का चित्रण कीजिए।
2. 'बिस्कोहर की माटी' पाठ ग्रामीण प्राकृतिक परिवेश का अद्भुत उदाहरण है। इस कथन की पुष्टि कीजिए।
3. 'प्रकृति सजीव नारी बन गई।' – बिस्कोहर की माटी पाठ के आधार पर इस कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

3. अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

1. 'अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' स्तंभ किस अखबार से लिया गया है ?

   (अ) दैनिक जागरण (ब) जनसत्ता

   (स) द हिन्दू (द) पंजाब केसरी ( )

2. 'अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' स्तंभ के लेखक हैं –

   (अ) विश्वनाथ त्रिपाठी (ब) जयशंकर प्रसाद

   (स) हजारी प्रसाद द्विवेदी (द) प्रभाष जोशी ( )

3. 'अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ की मूल समस्या है –

   (अ) महँगाई (ब) भ्रष्टाचार

   (स) पर्यावरण संबंधी चिंता (द) ग्रामीण परिवेश की संवेदनहीनता ( )

4. 'निथरी' शब्द का अर्थ है –

   (अ) मुख्य द्वार (ब) चमकीली

   (स) बारिश के चार महीने (द) बाढ़ ( )

5. 'पूर' शब्द किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है ?

   (अ) फटे वस्त्र (ब) कचरे का ढ़ेर

   (स) बाढ़ (द) झाग ( )

6. 'अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' स्तंभ कब प्रकाशित हुआ ?

   (अ) 1 जनवरी, 2005 (ब) 1 जनवरी, 2007

   (स) 1 जनवरी, 2009 (द) 1 जनवरी, 2006 ( )

7. 'क्वांर' शब्द का क्या अर्थ है –

   (अ) मानसून के आने का महीना (ब) सर्दियों में आने वाली धुंध

   (स) मूसलाधार बरसात (द) मानसून के जाने का महीना ( )

8. 'अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ में 'सदानीरा' का क्या अर्थ लिया गया है ?

   (अ) निरंतर बहने वाली (ब) तेज बरसात

   (स) बादलों का गरजना (द) सम्पन्नता ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. ब 2. द 3. स 4. ब 5. स 6. द 7. द 8. अ

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. किस कारण से मालवा में अब पहले जैसा पानी नहीं गिरता ? स्पष्ट कीजिए।
2. नवरात्रि के पर्व की पहली सुबह का दृश्य अपने शब्दों में लिखिए।
3. 'क्वांर' क्या है ? इस समय होने वाले परिवर्तनों को संक्षेप में लिखिए।
4. नर्मदा नदी के प्राकृतिक दृश्य का चित्रण कीजिए।
5. 'खूब मनाओ दसेरा दिवाली' – लेखक प्रभाष जोशी ने ऐसा क्यों लिखा है ? स्पष्ट कीजिए।
6. 'छप्पन का काल' इतिहास में क्यों प्रसिद्ध है ?
7. लेखक प्रभाष जोशी ने वर्तमान सभ्यता को खाऊ–उजाड़ू सभ्यता क्यों कहा है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
8. लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि ''हम अपने मालवा की गहन गंभीर और पग–पग–पग नीर की डग–डग रोटी वाली धरती को उजाड़ने में लगे हैं।'' स्पष्ट कीजिए।

निबंधात्मक प्रश्न

1. 'अपना मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ पर्यावरण संबंधी चिंता प्रकट करता है। – तर्क सहित उत्तर दीजिए।
2. विकास की औद्योगिक सभ्यता को उजाड़ की अपसभ्यता क्यों कहा गया है ? स्पष्ट कीजिए।
3. ''तीव्र गति से औद्योगीकरण से पर्यावरण को अत्यधिक नुकसान हुआ है।'' – कथन की पुष्टि कीजिए।

गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या

निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

1.

चौधरी साहब से तो अब अच्छी तरह परिचय हो गया था। अब उनके यहां मेरा जाना एक लेखक की हैसियत से होता था। हम लोग उन्हें एक पुरानी चीज समझा करते।थे इस पुरातत्व की दृष्टि में प्रेम और कुतूहल का एक अद्‌भुत मिश्रण रहता था। यहां पर यह कह देना आवश्यक है कि चौधरी साहब एक खासे हिंदुस्तानी रईस थे वसंत पंचमी,होली इत्यादि अवसरों पर उनके यहां खूब नाचरंग और उत्सव हुआ करते थे। उनकी हर एक अदा से रियासत और तबीयतदारी टपकती थी। कंधों तक बाल लटक रहे हैं। आप इधर से उधर टहल रहे थे। एक छोटा लड़का पान की तस्तरी लिए पीछे–पीछे लगा हुआ है। बात की कांट– छांट का क्या कहना! जो बातें उनके मुंह से निकलती थी, उनमें एक विलक्षण वक्रता रहती थी।

2.

बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आंखों में दीख रही थी। कुछ खांसकर, गला साफ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा,'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घट रहा था। अब मैंनें सुख से सांस भरी। उन सबसे बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था। पर बालक बच गया। उसके बचने की आशा है, क्योंकि वह 'लड्डू' की पुकार जीवित वृक्ष के हरे पत्तों का मधुर मर्मर था, मरे काठ की अलमारी की सिर दुखाने वाली खड़खड़ाहट नहीं।

3.

धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करें जो कहा जाए वही कान ढलकाकर सुन ले,इस सत्ययुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियां पिटवाकर दिया जाता है। घड़ी समय बतलाती है।किसी घड़ी देखना जानने वाले से समय पूछ लो और काम चला लो। यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्जे गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ करके फिर लगा लें– यह तुमसे नहीं होगा। तुम उसके अधिकारी नहीं। यह तो वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्जे जानें, तुम्हें इससे क्या? क्या इस उपमा से जिज्ञासा बंद हो जाती है?

4.

बड़े भैया के मरने के बाद ही जैसे सब खेल खत्म हो गया। तीनों भाइयों ने आपस में लड़ाई–झगड़ा शुरू किया। रैयतों ने जमीन पर दावे करके दखल किया, फिर तीनों भाई गांव छोड़कर शहर में जा बसे, रह गई बड़ी बहुरिया– कहां जाती बेचारी! भगवान् भले आदमी को ही कष्ट देते हैं। नहीं तो एक घंटे की बीमारी में बड़े भैया क्यों मरते? बड़ी बहुरिया की देह से जेवर खींच– छीनकर बंटवारे की लीला हुई थी। हरगोविंद ने देखी है अपनी आंखों से द्रौपदी चीर–हरण लीला! बनारसी साड़ी के तीन टुकड़े करके बंटवारा किया था, निर्दय भाइयों ने। बेचारी बड़ी बहुरिया!

5.

''अरे, मैं उन दिनों कितना काम कर लेता था। कभी थकता ही नहीं था।...'' हमसे थोड़ा ही पीछे महादेव देसाई, मोटा सा लठ्ठ उठा चले आ रहे थे। कोहाट और रावलपिंडी का नाम सुनते ही आगे बढ़ आए और उसे दौर से जुड़ी अपनी यादें सुनाने लगे। और एक बार जो सुनाना शुरू किया तो आश्रम के फाटक तक सुनाते चले गए।

किसी–किसी वक्त गांधी जी बीच में हँसते हुए कुछ कहते। वह बहुत धीमी आवाज में बोलते थे। लगता अपने आप से बातें कर रहे हैं, अपने साथ ही विचार–विनिमय कर रहे हैं। उन दिनों को स्वयं भी याद करने लगे हैं।

6.

राजा ने हुक्म दिया कि उसके राज में सब लोग अपने आँखें बंद रखेंगे ताकि उन्हें शांति मिलती रहे। लोगों ने ऐसा ही किया क्योंकि राजा की आज्ञा मानना जनता के लिए अनिवार्य है। जनता आँखें बंद किए–किए सारा काम करती थी और आश्चर्य की बात यह कि काम पहले की तुलना में बहुत अधिक और अच्छा हो रहा था। फिर हुक्म निकला कि लोग अपने–अपने कानों में पिघला हुआ शीशा डलवा ले क्योंकि सुनना जीवित रहने के लिए बिलकुल जरूरी नहीं है। लोगों ने ऐसा ही किया और उत्पादन आश्चर्यजनक तरीके से बढ़ गया।

7.

एक मिल मालिक के दिमाग में अजीब – अजीब ख्याल आया करते थे जैसे सारा संसार मिल हो जाएगा, सारे लोग मजदूर और वह उनका मालिक या मिल में और चीजों की तरह आदमी भी बनने लगेंगे, तब मजदूरी भी नहीं देनी पड़ेगी, वगैरा–वगैरा। एक दिन उसके दिमाग में ख्याल आया कि अगर मजदूरों के चार हाथ हों तो काम कितनी तेजी से हो और मुनाफा कितना ज्यादा लेकिन यह काम करेगा कौन?

8.

ये लोग आधुनिक भारत के नए 'शरणार्थी' हैं, जिन्हें औद्योगीकरण के झंझावात ने अपनी घर जमीन से उखाड़ कर हमेशा के लिए निर्वासित कर दिया है। प्रकृति और इतिहास के बीच यह गहरा अंतर है। बाढ़ या भूकंप के कारण लोग अपना घरबार छोड़कर कुछ अरसे के लिए जरूर बाहर चले जाते हैं, किंतु आफत टलते ही वे दोबारा अपने जाने–पहचाने परिवेश में लौट भी आते हैं। किंतु विकास और प्रगति के नाम पर जब इतिहास लोगों को उन्मूलित करता है, तो वे फिर कभी अपने घर वापस नहीं लौट सकते। आधुनिक औद्योगीकरण की आंधी में सिर्फ मनुष्य ही नहीं उखड़ता, बल्कि उसका परिवेश और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं।

9.

स्वातंत्र्योतर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी यह नहीं है कि शासक वर्ग ने औद्योगीकरण का मार्ग चुना, ट्रेजरी यह रही है कि पश्चिम की देखादेखी और नकल में योजनाएं बनाते समय– प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच का नाजुक संतुलन किस तरह नष्ट होने से बचाया जा सकता है– इस ओर हमारे पश्चिम–शिक्षित सत्ताधारियों का ध्यान कभी नहीं गया। हम बिना पश्चिम को मॉडल बनाए, अपनी शर्तों और मर्यादाओं के आधार पर, औद्योगिक विकास का भारतीय स्वरूप निर्धारित कर सकते हैं, कभी इसका ख्याल भी हमारे शासकों को आया हो, ऐसा नहीं जान पड़ता।

10.

अभी तक उसके जीवन में कोई लड़की किसी अहम भूमिका में नहीं आई थी। लड़कियाँ या तो क्लास में बाँयी तरफ की बेंचों पर बैठनेवाली एक कतार थी या फिर ताई चाची की लड़कियाँ जिनके साथ खेलने–खाता वह बड़ा हुआ था। इस तरह बिलकुल अकेली, अनजान जगह पर, एक अनाम लड़की का सद्य– स्नात दशा में सामने आना, पुजारी का गलत समझना, आशीर्वाद देना, लड़की का घबराना और चल देना सब मिलाकर एक नयी निराली अनुभूति थी जिसमें उसे कुछ सुख और ज्यादा बेचैनी लग रही थी। उसने मन ही मन तय किया कि कल शाम पाँच बजे से ही वह घाट पर जाकर बैठ जाएगा। पौड़ी पर इस तरह बैठेगा कि कल वाले पुजारी के देवालय पर सीधी आँख पड़े।

11.

यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है। इसीलिए यह इतना आकर्षक है। नाम है कि हजारों वर्षों से जीता चला आ रहा है। कितने नाम आए और गए। दुनिया उनको भूल गई, वह दुनिया को भूल गए। मगर कुटज है कि संस्कृत की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जम के बैठा, सो बैठा ही रहा है। और रूप की तो बात ही क्या है! बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के सामने धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कार में रुद्ध अज्ञात जल स्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है। और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरी कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है। कितनी कठिन जीवनी–शक्ति है।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या

निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

1.

चढ़कर मेरे जीवन रथ–पर,
प्रलय चल रहा अपने पथ पर ।
मैंने निज दुर्बल पद–बल पर ,
उससे हारी– होड़ लगाई।
लौटा लो यह अपनी थाती
मेरी करुणा हा–हा खाती
विश्व! न संभलेगी यह मुझसे
इससे मन की लाज गंवाई।

2.

उड़ते खग जिस ओर मुंह किए– समझ नीड़ निज प्यारा ।
बरसाती आंखों के बादले बनते जहां भरे करुणा जल ।
लहरें टकराती जहां अनंत की पाकर जहां किनारा ।
मदिर ऊंघते रहते जब जगकर रजनी भर तारा।

3.

मुझ भाग्यहीन की तूं संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूं आज, जो नहीं कही!
हो इसी कर्म पर वज्रपात

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के–से शतदल!
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण!

4.

यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी कांपा,
वह पीड़ा, जिस की गहराई को स्वयं उसी ने नापा
कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुंधुआते कड़ुवे तम में
यह सदा–द्रवित, चिर जागरूक, अनुरक्त–नेत्र,
अवलंब– बाहु, यह चिर अखंड अपनापा।

5.

मैंने देखा
एक बूँद सहसा
उछली सागर के झाग से
रंग गई क्षणभर
ढलते सूरज की आग से।
मुझ को दीख गया:
सूने विराट् के सम्मुख
हर आलोक– छुआ अपनापन
है उन्मोचन
नश्वरता के दाग से!

6.

किसी अलक्षित सूर्य को

देता हुआ अर्घ्य

शताब्दियों से इसी तरह

गंगा के जल में

अपनी एक टांग पर खड़ा है यह शहर

अपनी दूसरी टांग से

बिलकुल बेखबर!

7.

यह धीरे–धीरे होना

धीरे – धीरे होने की सामूहिक लय

दृढ़ता से बांधे हैं समूचे शहर को

इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है

कि हिलता नहीं है कुछ भी

कि जो चीज जहां थी

वहीं पर रखी है

कि गंगा वहीं है

कि वहीं पर बंधी है नाव

कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊं

सैंकड़ों बरस से

8.

मैं जानउँ निज नाथ सुभाऊ। अपराधिहु पर कोह न काऊ।।
मो पर कृपा सनेहु बिसेखी । खेलत खुनिस न कबहूँ देखी ।।
सिसुपन तें परिहरेंउँ न संगू। कबहुँ न कीन्ह मोर मन भंगू।।
मैं प्रभु कृपा रीति जियँ जोही। हारेंहू खेल जितावहिं मोंही।।

9.

अगहन देवस घटा निसि बाढ़ी। दूभर दुख सो जाइ किमि काढ़ी।।
अब धनि देवस बिरह भा राती। जरै बिरह ज्यों दीपक बाती।।
कांपा हिया जनावा सीऊ । तौ पै जाइ होइ सँग पीऊ।।
घर घर चीर रचा सब काहूँ। मोर रूप रँग लै गा नाहू।।

10.

राघौ! एक बार फिरि आवौ।
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ।।
जे पय प्याइ पोखि कर–पंकज वार–वार चुचुकारे।
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले! ते अब निपट बिसारे।।
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानी तिहारे ।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारै।।
सुनहु पथिक! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो।
तुलसी मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अंदेसो।।

11.

फागुन पवन झँकोरै बहा। चौगुन सीउ जाइ किमि सहा।।
तन जस पियर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होइ झोरा।।

तरिवर झरै झरै बन ढाँखा। भइ अनपत्त फूल फर साखा।।

करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू ।।

12.

के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास।

हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास।।

एकसरि भवन पिया बिनु रे मोहि रहलो न जाए।।

सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए।।

13.

कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि,

मुदि रहए दु नयान।

कोकिल– कलरव, मधुकर–धुनि सुनि,

कर देइ झाँपइ कान।।

माधब, सुन–सुन बचन हमारा।

तुअ गुन सुंदरि अति भेल दूबरि–

गुनि – गुनि प्रेम तोहारा।।

धरनी धरि धनि कत बेरि बइसइ,

पुनि तहि उठइ न पारा।

कातर दिठि करि, चौदिस हेरि–हेरि

नयन गरए जल–धारा ।।

14.

पूरन प्रेम को मंत्र महा पन, जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ।

ताहि के चारु चरित्र बिचित्रनि, यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ।

ऐसो हियो हितपत्र पवित्र जु, आन– कथा न कहूँ अवरेख्यौ।

सो घनानंद जान अजान लौं, टूक कियौ पर बाँचि न देख्यौ।

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर दीजिए—

(1)

संस्कृति के आंतरिक अंगों पर भारत में विशेष बल दिया गया है। धर्म ग्रंथो में अच्छे मनुष्यों के लक्षण बतलाए गए हैं। मनु स्मृति में धृति, क्षमा, दया, अस्तेय, शौच, इंद्रिय निग्रह, धी, विद्या, सत्य और अक्रोध धर्म के दस लक्षण बतलाए गए हैं, वे सब भारतीयों की मानसिकता और आध्यात्मिक संस्कृति के अंग हैं। श्रीमद्‌भगवद्‌ गीता में देवी संपदा वालों के लक्षण दिए गए हैं जिनमें 'अभय' को पहला स्थान दिया गया है। स्थितप्रज्ञ के लक्षण, सात्विक चीजों के लक्षण आदि सब भारतीय संस्कृति के अनुकूल सभ्य और शिष्ट पुरुष के लक्षण हैं। इसलिए सभी महाकाव्य ऐसे लक्षणों से भरे पड़े हैं। 'रघुवंश' में रघुकुल राजाओं के जो गुण बतलाए गए हैं, वे न केवल भारत के सांस्कृतिक आदर्शों के परिचायक हैं, बल्कि उनसे अतीत का भव्य चित्र हमारे सम्मुख आ जाता है।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
2. मनु स्मृति में धर्म के कितने लक्षण बताए गए हैं?
3. श्रीमद्‌भगवद्‌ गीता में देवी संपदा वालों के लक्षणों में पहला स्थान किसे दिया गया है?
4. 'रघुवंश' में किस कुल के राजाओं के गुण बतलाए गए हैं?
5. 'अनुकूल' शब्द का विपरीतार्थक शब्द लिखिए।
6. भारत के सांस्कृतिक आदर्शों के परिचायक किसे बताया गया है?

(माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, 2022)

हर राष्ट्र को अपने सामान्य काम – काज एवं राष्ट्रव्यापी व्यवहार के लिए किसी एक भाषा को अपनाना होता है। राष्ट्र की कोई एक भाषा स्वाभाविक विकास और विस्तार करती हुई अधिकांश जनसमूह के विचार–विनिमय और व्यवहार का माध्यम बन जाती है। इसी भाषा को वह राष्ट्र, राष्ट्रभाषा का दर्जा देकर, उस पर शासन की स्वीकृति की मुहर लगा देता है। हर राष्ट्र की प्रशासकीय – सुविधा तथा राष्ट्रीय– एकता और गौरव के निमित्त एक राष्ट्रभाषा का होना परम आवश्यक होता है। सरकारी कामकाज की केंद्रीय भाषा के रूप में यदि एक भाषा स्वीकृत न होगी तो प्रशासन में नित्य ही व्यावहारिक कठिनाइयां आएंगी। अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी राष्ट्र की निजी भाषा का होना गौरव की बात होती है।

एक राष्ट्रभाषा के लिए सर्वप्रथम गुण है– उसकी 'व्यापकता' । राष्ट्र के अधिकांश जन–समुदाय द्वारा वह बोली तथा समझी जाती हो। दूसरा गुण है– 'उसकी समृद्धता' । वह संस्कृति, धर्म, दर्शन, साहित्य एवं विज्ञान आदि विषयों को अभिव्यक्त करने की सामर्थ्य रखती हो। उसका शब्दकोष व्यापक और विशाल हो और उसमें समयानुकूल विकास की सामर्थ्य हो।

यदि निष्पक्ष दृष्टि से विचार किया जाए तो हिंदी को यह सभी योग्यताएं प्राप्त हैं। अतः हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा होने की सभी योग्यताएं रखती है ।

1. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
2. राष्ट्रभाषा की आवश्यकता क्यों होती है?
3. राष्ट्रभाषा का आविर्भाव कैसे होता है?
4. एक राष्ट्रभाषा न होने से क्या कठिनाई होती है?
5. राष्ट्रभाषा का सर्वप्रथम गुण कौन–सा है?
6. 'विज्ञान' शब्द में से मूल शब्द और उपसर्ग अलग–अलग करके लिखिए।

अपठित पद्यांश

निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर दीजिए–

(1)

शांति नहीं तब–तक, जब तक, सुख भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को बहुत अधिक हो, नहीं किसी को कम हो।
ऐसी शांति राज्य करती है, तन पर नहीं हृदय पर,
नर के ऊंचे विश्वासों पर, श्रद्धा, भक्ति प्रणय पर।
न्याय शांति का प्रथम न्यास है, जब तक न्याय न आता,
जैसा भी हो महल शांति का सुदृढ़ नहीं रह पाता।
कृत्रिम शांति सशंक आप, अपने से ही डरती है,
खड्ग छोड़ विश्वास किसी का, कभी नहीं करती है।

1. शांति का प्रथम न्यास किसे कहा गया है?
2. शांति की स्थापना कब तक नहीं हो सकती है?
3. किस तरह की शांति अपने– आप से भयभीत रहती है ?
4. किस प्रकार की शांति मनुष्य के विश्वासों पर राज्य करती है?
5. ''शांति नहीं तब–तक, जब तक, सुख भाग न नर का सम हो''– इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
6. उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(2)

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो,
उसको क्या, जो दंतहीन
विषहीन विनीत सरल हो।
तीन दिवस तक पंथ मांगते
रघुपति सिंधु किनारे,
बैठे पढ़ते रहे छंद
अनुनय के प्यारे–प्यारे।
उत्तर में जब एक नाद भी
उठा नहीं सागर से,
उठी अधीर धधक पौरुष की
आग राम के शर से।
सिंधु देह धर 'त्राहि– त्राहि'
करता आ गिरा शरण में,
चरण पूजा, दासता ग्रहण की
बंधा मूढ़ बन्धन में।
सच पूछो तो शर में ही
बसती है दीप्ति विनय की,
संधि– वचन संपूज्य उसी का
जिसमें शक्ति विजय की।

1. समुद्र के किनारे खड़े होकर कौन रास्ता मांग रहा था?
2. क्षमा किसको शोभा देती है?
3. राम क्रोधित क्यों हो गए थे?

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

4. 'विनय की दीप्ति' किसमें बसती है?

5. 'सिंधु देह धर' – इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है?

6. उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

अपठित गद्यांश व पद्यांश को करते समय ध्यान रखने योग्य बिंदु–

1. गद्यांश या पद्यांश को कम से कम तीन बार पढ़ें।
2. पहली बार में एक–एक शब्द का अर्थ समझें।
3. दूसरी बार में एक–एक पंक्ति का अर्थ समझने का प्रयास करें।
4. तीसरी बार में उस गद्यांश या पद्यांश का शीर्षक व उसका निष्कर्ष समझने का प्रयास करें।
5. गद्यांश हो या पद्यांश उनके उत्तर अपनी मौलिक भाषा में दें।

1. काव्य–गुण

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. रस का उत्कर्ष करने वाली बातों को .... कहते हैं।
2. गुण के .... भेद होते हैं।
3. जिस रचना से अन्तःकरण आनन्द से द्रवीभूत हो जाता है, उसमें .... गुण होता है।
4. कोमल एवं मधुर वर्णों से युक्त रचना में .... गुण होता है।
5. श्रृंगार, शांत एवं करुण रस से युक्त रचना में .... गुण होता है।
6. अनुनासिक वर्णों से युक्त काव्य रचना में .... गुण होता है।
7. जिस रचना को पढ़ने से उत्साह की अनुभूति होती है, उसमें .... गुण होता है।
8. गुण .... रूपी आत्मा का धर्म तत्व है।
9. द्वित्व, संयुक्त एवं परुप वर्णों की प्रधानता .... गुण में होती है।
10. वीर, रौद्र, भयानक एवं वीभत्स रसों वाली रचना .... गुण वाली होती है।
11. संयुक्ताक्षर वर्णों से युक्त रचना में .... गुण होता है।
12. चित्त में तुरन्त व्याप्त होने वाली रचना में .... गुण होता है।
13. प्रसाद का अर्थ .... होता है।
14. सीधे–सादे वर्णों व शब्दों से युक्त रचना में .... गुण होता है।
15. ओज गुण में .... वर्णों का आधिक्य होता है।
16. माधर्यु गुण में .... वर्णों का आधिक्य होता है।
17. 'मन्द–मन्द निकस्यो मुकुन्द मधुवन तें।'–इस पंक्ति में .... गुण है।
18. 'बढ़ो करो वीर! स्वजाति का भला।' –इस पंक्ति में .... गुण है।
19. 'दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।' – इस पंक्ति में .... गुण है।
20. माधुर्य का अर्थ .... होता है।
21. ओज का अर्थ .... लिया जाता है।

उत्तर– 1. गुण 2. तीन 3. माधुर्य 4. माधुर्य 5. माधुर्य 6. माधुर्य 7. ओज 8.रस 9. ओज 10. ओज 11. ओज 12. प्रसाद 13. निर्मलता/स्वच्छता 14.प्रसाद 15. परुष/कठोर 16. अनुनासिक 17. माधुर्य 18. ओज 19. प्रसाद 20. मधुरता/मिठास 21. जोश/उत्साह/वीरता

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

2. काव्य–दोष

1. काव्य की शोभा का अपकर्ष करने वाले .... कहलाते हैं।
2. दोष काव्य की .... घटाते हैं।
3. काव्य के मुख्यार्थ में .... उत्पन्न करने वाले तत्वों को दोष कहते हैं।
4. काव्य दोष के मुख्यतः .... भेद माने जाते हैं
5. जिस काव्य रचना में कर्ण कटु शब्दों का अत्यधिक प्रयोग होता है वहाँ .... दोष पाया जाता है।
6. 'कार्त्यार्थी तब होहुंगी, मिलि हैं जब पिय आय।' –इस पंक्ति में .... दोष है।
7. जब काव्य में व्याकरण के नियमों के विरूद्ध पदों या शब्दों का प्रयोग हो, वहाँ .... दोष होता है।
8. जब काव्य में गंवारू या ग्रामीण शब्दों का प्रयोग हो, वहाँ .... दोष पाया जाता है।
9. 'मूंड पे मुकुट धरे सोहत है गोपाल' – इस पंक्ति में .... शब्द में ग्राम्यत्व दोष है।
10. जहाँ काव्य में शब्द का क्रम अनुचित हो, वहाँ .... दोष होता है।
11. जब काव्य में लोक और शास्त्र विहित क्रम का उल्लंघन हो, वहाँ .... दोष होता है।
12. मारुत नन्दन मारुत को, मन हो, खगराज को वेग लजायो।'' – इस पंक्ति में .... दोष होता है।
13. जब काव्य में ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जाए जो किसी शास्त्र विशेष में ही काम में लिए जाएं, वहाँ .... दोष होता है।
14. जब काव्य में ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जाए जिनका अर्थ कठिनता से निकले, वहाँ .... दोष होता है।
15. घृणासूचक, अमंगलसूचक शब्दों से युक्त रचना में .... दोष होता है।
16. जब अर्थ की पुनरुक्ति हो वहाँ .... दोष होता है।
17. जब काव्य रचना में किसी शब्द की .... रह जाए, वहाँ न्यूनपदत्व दोष होता है।
18. जब वाक्य में आवश्यकता से अधिक शब्दों का प्रयोग हो, वहाँ .... दोष होता है।
19. ''तत्व ज्ञान प्रकाश सो दलिताशय जो आहि।'' – इस पंक्ति में ....दोष है।

उत्तर– 1.दोष 2. शोभा 3. बाधा 4. तीन 5. श्रुतिकटुत्व 6. श्रुतिकटुत्व 7.च्युत संस्कृति 8. ग्राम्यत्व 9. मूंड 10. अक्रमत्व 11. दुष्क्रमत्व 12.दुष्क्रमत्व 13. अप्रतीतत्व 14. क्लिष्टत्व 15. अश्लीलत्व 16. पुनरुक्त 17. कमी 18.अधिक पदत्व 19. अप्रतीतत्व

3. छन्द

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. छन्द के एक भाग को .... कहते हैं।
2. छन्द के बीच–बीच में जो थोड़ा–सा ठहराव होता है, उसे .... कहते हैं।
3. तीन वर्णों के समूह को .... कहते हैं।
4. एक गण में .... वर्णों का समूह होता है।
5. गणों की संख्या .... होती है।
6. छन्द के प्रवाह को .... कहते हैं।
7. छन्द के चरणान्त में अक्षर/ध्वनि की समानता या मैत्री को .... कहते हैं।
8. वर्ण या मात्रा के आधार पर छन्द के .... भेद होते हैं।
9. गीतिका .... मात्रिक छन्द है।
10. गीतिक छन्द के प्रत्येक चरण में .... मात्राएँ होती हैं।
11. गीतिका छन्द में .... व .... मात्राओं पर यति होती है।
12. छंद में लघु व गुरु वर्ण के संकेत चिह्न क्रमशः .... होते हैं।
13. 'गीतिका' छन्द के अन्त में .... व .... वर्ण होते हैं।
14. हरिगीतिका छन्द के प्रत्येक चरण में .... मात्राएँ होती है।
15. हरिगीतिका छन्द में .... व .... मात्राओं पर यति होती है।
16. हरिगीतिका मात्रिक .... छन्द है।
17. हरिगीतिका छन्द के प्रत्येक चरण के अन्त में .... व .... वर्ण होते हैं।
18. छप्पय छन्द में .... चरण होते हैं।
19. छप्पय छन्द .... व .... छन्द से मिलकर बनता है।
20. छप्पय छन्द की प्रथम चार पंक्तियाँ .... छन्द की व अंतिम दो पंक्तियाँ .... छन्द की होती हैं।
21. कुण्डलिया छन्द में .... चरण होते हैं।
22. कुण्डलिया छन्द के प्रथम दो पद .... छन्द के व अंतिम चार पद .... छन्द के होते हैं।
23. कुण्डलिया छन्द के प्रत्येक चरण में .... मात्राएँ होती हैं।
24. छप्पय व कुण्डलिया .... मात्रिक छन्द हैं।
25. द्रुतविलंबित छन्द में .... चरण होते हैं।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

26. द्रुतविलंबित छन्द के प्रत्येक चरण में .... वर्ण होते हैं।

27. द्रुतविलंबित .... छन्द है।

28. द्रुतविलंबित छन्द में गणों का क्रम .... होता है।

29. वंशस्थ छन्द एक .... छन्द है।

30. वंशस्थ छन्द के प्रत्येक चरण में .... वर्ण होते हैं।

31. वंशस्थ छन्द के चरण के अन्त में .... व .... वर्ण होते हैं।

32. वंशस्थ छन्द के गणों का क्रम .... होता है।

33. सवैया छन्द के प्रत्येक चरण में .... वर्ण होते हैं।

34. सवैया एक ....छन्द है।

35. सवैया छन्द के प्रत्येक चरण में .... भगण व अंत में .... गुरु वर्ण होते हैं।

36. सवैया छन्द को .... सवैया भी कहते हैं।

37. कवित एक .... छन्द है।

38. कवित छन्द के प्रत्येक चरण में .... वर्ण होते हैं।

39. कवित छन्द में .... व .... वर्णों पर यति होती है।

40. कवित छन्द का अंतिम वर्ण .... होता है।

उत्तर –

1. चरण	11. 14 व 12	21. 6	31. लघु/गुरु
2. यति	12. I, S	22. दोहा/ रोला	32. 'जतजर'
3. गण	13. लघु व गुरु	23. 24	33. 23
4. तीन	14. 28	24. विषम	34. वर्णिक
5. आठ	15. 16 व 12	25. चार	35. 7 व 2
6. गति	16. सम	26. 12	36. मालती
7. तुक	17. लघु व गुरु	27. वर्णिक	37. वर्णिक
8. दो	18. 6	28. 'नभभर'	38. 31
9. सम	19. रोला/उल्लाला	29. वर्णिक	39. 16/15
10. 26	20. रोला/उल्लाला	30. 12	40. गुरु

4. अलंकार

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. 'अलंकार' का शाब्दिक अर्थ .... होता है।
2. अलंकार काव्य की .... बढ़ाते हैं।
3. काव्य की शोभा बढ़ाने वाले गुण/धर्मों को .... कहते हैं।
4. अलंकार मुख्य रूप से .... प्रकार के होते हैं।
5. जब काव्य में अप्रस्तुत का वर्णन कर प्रस्तुत का बोध कराया जाता है, वहाँ .... अलंकार होता है।
6. अन्योक्ति अलंकार में .... के वर्णन द्वारा.................................. का बोध कराया जाता है।
7. कारण के अभाव में कार्य का होना पाया जाए, वहाँ .... अलंकार होता है।
8. विभावना अलंकार में .... के अभाव में .... का होना पाया जाता है।
9. जब काव्य में .... के अभाव में .... का न होना वर्णित हो, वहाँ विशेषोक्ति अलंकार होता है।
10. जहाँ काव्य में कारण के होने पर भी कार्य का न होना पाया जाए, वहाँ .... अलंकार होता है।
11. जब समान अर्थ सूचक विशेषणों द्वारा प्रस्तुत व अप्रस्तुत दोनों का एक साथ बोध हो, वहाँ .... अलंकार होता है।
12. जब उपमेय और उपमान में बिम्ब–प्रतिबिम्ब का भाव हो, वहाँ .... अलंकार होता है।
13. जहाँ एक बात कहकर, फिर उससे मिलती–जुलती दूसरी बात कही जाए, वहाँ .... अलंकार होता है।
14. जब काव्य में उपमान का तिरस्कार या अपमान किया जाये, वहाँ .... अलंकार होता है।
15. प्रतीप अलंकार .... अलंकार का विपरीत होता है।
16. उपमा अलंकार का विपरीतार्थ होने पर .... अलंकार होता है।
17. जब उपमान को उपमेय व उपमेय को उपमान बनाया जाए, वहाँ .... अलंकार पाया जाता है।
18. जहाँ उपमेय में उपमान की तुलना में एक बात ज्यादा हो, वहाँ .... अलंकार होता है।
19. जब काव्य में प्राकृतिक क्रिया पर .... का आरोपण किया जाता है, वहाँ मानवीकरण अलंकार पाया जाता है।
20. ''मेघमय आसमान से उतर रही, संध्या सुंदरी परी–सी'' – इस पंक्ति में .... अलंकार है।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

उत्तर– 1. आभूषण 2. शोभा 3. अलंकार 4. दो 5. अन्योक्ति 6.अप्रस्तुत/प्रस्तुत
7. विभावना 8. कारण/कार्य 9. कारण/कार्य 10.विशेषोक्ति 11. समासोक्ति 12. दृष्टांत
13. दृष्टांत 14. प्रतीप 15. उपमा 16. प्रतीप 17. प्रतीप 18. व्यतिरेक
19.मानवीकरण 20. मानवीकरण

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. अलंकार की परिभाषा व लक्षण लिखिए।
2. अन्योक्ति अलंकार का लक्षण व उदाहरण लिखिए।
3. समासोक्ति अलंकार का लक्षण व उदाहरण लिखिए।
4. विभावना अलंकार को परिभाषित करते हुए उदाहरण लिखिए।
5. विशेषोक्ति अलंकार की परिभाषा व उदाहरण लिखिए।
6. दृष्टांत अलंकार का लक्षण व उदाहरण लिखिए।
7. प्रतीप अलंकार को परिभाषित कर उदाहरण भी लिखिए।
8. मानवीकरण अलंकार का लक्षण व उदाहरण लिखिए।
9. व्यतिरेक अलंकार की परिभाषा व उदाहरण लिखिए।
10. अलंकार की विशेषताएँ लिखिए।
11. ''अलंकार काव्य की शोभा बढ़ाते हैं।'' – इस कथन की पुष्टि कीजिए।

छन्द

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. गीतिका छन्द के लक्षण व उदाहरण लिखिए।
2. गण किसे कहते हैं ? गण के भेद कितने होते हैं ?
3. छन्द में यति व गति का क्या महत्व है ?
4. मात्रिक छन्द किसे कहते हैं ? इसके कितने भेद होते हैं ?
5. हरिगीतिका छन्द का लक्षण व उदाहरण लिखिए।
6. छप्पय छन्द को उदाहरण सहित लिखिए।
7. कुण्डलिया छन्द के लक्षण व उदाहरण लिखिए।
8. द्रुतविलंबित छन्द उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
9. वंशस्थ छन्द के लक्षण व उदाहरण लिखिए।
10. कवित्त छन्द के लक्षण व उदाहरण लिखिए।
11. सवैया छन्द को उदाहरण सहित समझाइए।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

अभिव्यक्ति एवं माध्यम

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. एक नाटक के मुख्यतः कितने अंक होते हैं ?

   (अ) दो (ब) चार (स) पाँच (द) तीन ( )

2. किसी भी विशेष स्थिति का अनुकरण कहलाता है –

   (अ) कविता (ब) नाटक (स) कहानी (द) निबंध ( )

3. कविता का जन्म किस रूप में हुआ ?

   (अ) वाचिक (ब) लिखित (स) मूक (द) इनमें से कोई नहीं ( )

4. कविता की अनजानी दुनिया का सबसे पहला उपकरण है –

   (अ) बिंब (ब) छंद (स) शब्द (द) परिवेश ( )

5. कविता की 'आंतरिक लय' किसे बताया गया है ?

   (अ) शब्द (ब) अर्थ (स) शब्द और अर्थ (द) बिंब और छंद ( )

6. कविता को इंद्रियों से पकड़ने में सहायक होते हैं –

   (अ) शब्द (ब) अर्थ (स) बिम्ब और छन्द (द) रस और अलंकार ( )

7. सुमित्रानन्दन पंत ने कविता के लिए किस तरह की भाषा पर बल दिया है ?

   (अ) लाक्षणिक भाषा (ब) व्यंग्यपूर्ण भाषा (स) चित्रात्मक भाषा (द) अभिव्यंजना पूर्ण भाषा( )

8. कविता के घटक किससे परिचालित होते हैं ?

   (अ) शब्द और अर्थ से (ब) बिम्ब और छन्द से (स) रस और छन्द से (द) परिवेश और सन्दर्भ से( )

9. नाटक लिखते समय नाटककार को नाटक की किस मूल विशेषता को ध्यान में रखना चाहिए ?

   (अ) भाषा (ब) समय का बंधन (स) अंक (द) संवाद ( )

10. नाटक के प्रत्येक अंक की कम से कम कितनी अवधि होनी चाहिए ?

    (अ) 47 मिनट (ब) 48 मिनट (स) 46 मिनट (द) 45 मिनट ( )

11. साहित्य की सभी विधाओं में नाटक के सबसे ज्यादा निकट कौनसी रचना है ?

    (अ) कहानी (ब) उपन्यास (स) यात्रा–वृतांत (द) कविता ( )

12. नाटक का सबसे जरूरी व सशक्त माध्यम कौनसा है ?

    (अ) कथ्य (ब) अंक (स) समय (द) संवाद ( )

13. साहित्य की सभी विधाओं में जीवंत माध्यम कौनसा है ?

    (अ) कहानी (ब) कविता (स) नाटक (द) उपन्यास ( )

14. साहित्य की सभी विधाओं में से कौनसी विधा वर्तमान काल में घटित होती है ?

(अ) कविता (ब) कहानी (स) संस्मरण (द) नाटक ( )

15. कहानी का केंद्रीय बिन्दु किसे माना जाता है ?

(अ) चरित्र–चित्रण (ब) परिवेश (स) कथानक (द) विषयवस्तु ( )

16. कहानी को रोचक बनाने के लिए कौनसा तत्व आवश्यक है –

(अ) द्वंद्व (ब) चरित्र–चित्रण (स) संवाद (द) वातावरण/परिवेश ( )

17. कहानी को गति प्रदान करने वाला तत्व होता है ?

(अ) द्वंद्व (ब) संवाद (स) देशकाल (द) परिवेश ( )

18. कथानक को आगे बढ़ाने का काम कौन करता है ?

(अ) संवाद (ब) पात्र (स) द्वंद्व (द) परिवेश ( )

19. कविता की संरचना का मूल तत्व कौनसा है ?

(अ) भाषा (ब) शब्द (स) अर्थ (द) संवेदना ( )

20. जनसंचार के माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौनसा है ?

(अ) रेडियो (ब) प्रिंट (स) टी.वी. (द) इंटरनेट ( )

21. समाचार की शुरूआत में कौनसे दो ककार होने चाहिए ?

(अ) कब और कैसे (ब) क्या और कब (स) क्या और कौन (द) क्या और कैसे ( )

22. पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ?

(अ) चार (ब) दो (स) पाँच (द) तीन ( )

23. समाचार लेखन में कितने ककार होते हैं –

(अ) सात (ब) आठ (स) नौ (द) छह ( )

24. समाचार को कितने भागों में बांटा गया है ?

(अ) चार (ब) दो (स) तीन (द) पाँच ( )

25. उल्टा पिरामिड शैली निम्न में से किस सृजनात्मक लेखन में उपयोगी है ?

(अ) फीचर (ब) डायरी (स) साक्षात्कार (द) समाचार ( )

26. सुव्यवस्थित, सृजनात्मक व आत्मनिष्ठ लेखन कहलाता है –

(अ) रिपोर्ट (ब) स्तंभ लेखन (स) संपादक के नाम पत्र (द) फीचर ( )

27. .... एक मनोरंजक व सूचनात्मक लेखन है।

(अ) फीचर (ब) स्तंभ (स) टिप्पणी (द) संपादकीय ( )

28. विशेष रिपोर्ट कितने प्रकार की होती है ?

(अ) तीन (ब) चार (स) सात (द) पाँच ( )

29. आमतौर पर भ्रष्टाचार या अनियमितताओं को उजागर करने के लिए कौनसी रिपोर्ट लिखी जाती है ?

(अ) इन–डेप्थ रिपोर्ट (ब) विवरणात्मक रिपोर्ट (स) खोजी रिपोर्ट (द) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट ( )

30. अखबार में जनमत को प्रकट करने वाला माध्यम है –

(अ) फीचर (ब) संपादकीय (स) स्तंभ (द) संपादक के नाम पत्र ( )

31. एक अच्छे साक्षात्कारकर्त्ता में कौनसे गुण होने चाहिए ?

(अ) धैर्य (ब) कूटनीति (स) संवेदनशीलता (द) उपर्युक्त सभी ( )

32. संवाददाताओं के बीच उनकी दिलचस्पी और ज्ञान के आधार पर काम का विभाजन क्या कहलाता है ?

(अ) टिप्पण (ब) बीट

(स) टीका (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं ( )

33. तथ्यों की खोज व विश्लेषण पर जोर किस माध्यम में दिया जाता है ?

(अ) फीचर (ब) सम्पादक के नाम पत्र

(स) विशेष रिपोर्ट (द) कार्टून कोना ( )

34. अच्छे लेखन के लिए आवश्यक नहीं है –

(अ) आमबोलचाल की भाषा (ब) लेखन में कसावट

(स) वाक्यों की जटिलता (द) लेखन में विविधता ( )

35. पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना–पहचाना रूप है –

(अ) फीचर (ब) स्तंभ (स) समाचार (द) रिपोर्ट ( )

36. किस रिपोर्ट में सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध तथ्यों, सूचनाओं और आँकड़ों की गहरी छानबीन की जाती है?

(अ) खोजी रिपोर्ट (ब) इन–डेप्थ रिपोर्ट (स) विवरणात्मक रिपोर्ट (द) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट( )

37. अखबार की आवाज माना जाता है –

(अ) फीचर को (ब) संपादक के नाम पत्र को

(स) संपादकीय को (द) लेख को ( )

38. आमतौर पर विचारपरक लेख अखबार के किस पृष्ठ पर प्रकाशित होते हैं ?

(अ) मुख पृष्ठ पर (ब) अंतिम पृष्ठ पर (स) दूसरे पृष्ठ पर (द) संपादकीय पृष्ठ पर ( )

39. निम्न में से विचारपरक लेख नहीं है –

(अ) फीचर (ब) संपादकीय (स) लेख (द) टिप्पणी ( )

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर :– 1. द 2. ब 3. अ 4. स 5. द 6. स 7. स 8. द 9. ब 10. ब 11. द 12. द

13. स 14. द 15. स 16. अ 17. ब 18. स 19. द 20. ब 21. स 22. द 23. द 24. स 25. द 26. द 27. अ, 28. ब 29. स 30. द 31. द 32. ब 33. स 34. द 35. स 36. ब 37. स 38. द 39. अ

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. बीट रिपोर्टिंग व विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अन्तर है ?
2. विशेष लेखन क्या है ? संक्षेप में लिखिए।
3. सामान्य लेखन और विशेष लेखन में क्या अन्तर है ?
4. 'यदि आपकी बीट राजनीति है' – तो आपको किस तरह की तैयारी करनी आवश्यक है ?
5. विशेष लेखन में विशेषज्ञता कैसे हासिल कर सकते हैं ?
6. विशेष लेखन की भाषा व शैली कैसी होनी चाहिए?
7. विशेष लेखन के कोई पाँच क्षेत्रों के नाम लिखिए।
8. पत्रकारीय लेखन क्या है व पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ? नाम लिखिए।
9. संवाददाता या रिपोर्टर किसे कहते हैं तथा इनकी अखबार में क्या भूमिका होती है ?
10. समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड–शैली के बारे में टिप्पणी लिखिए।
11. समाचार लेखन में कितने ककारों का प्रयोग होता है ? इनके महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
12. फीचर और समाचार में क्या अन्तर है ?
13. फीचर क्या है ? इसकी भाषा व शैली पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
14. फीचर लेखन प्रक्रिया को संक्षेप में लिखिए।
15. फीचर लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है ?
16. विशेष रिपोर्ट क्या है ? इसके भेदों के नाम लिखिए।
17. अखबार की आवाज किसे माना जाता है और क्यों ? लिखिए।
18. स्तंभ लेखन क्या होता है ? संक्षेप में टिप्पणी लिखिए।
19. ''संपादक ने नाम पत्र जनमत को प्रतिबिंबित करता है'' – कैसे ? लिखिए।
20. एक अच्छे साक्षात्कारकर्ता में कौन–कौन से गुण होने आवश्यक है ?
21. साक्षात्कार लेते समय किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है ?
22. कविता की 'आंतरिक लय' किसे कहा गया है और क्यों ?
23. कविता का मूल तत्व संवेदना को क्यों माना गया है ? स्पष्ट कीजिए।
24. कविता लेखन के पहले उपकरण 'शब्द' के महत्व को रेखांकित कीजिए।
25. सुमित्रानन्दन पंत ने कविता के लिए 'चित्र भाषा' पर अत्यधिक बल क्यों दिया है ?
26. ''छंद के अनुशासन की जानकारी कवि के लिए जरूरी है।''– क्यों ?
27. नाटक में संपूर्णता किससे आती है और क्यों ?

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

28. नाटक लेखन में समय का बंधन क्यों आवश्यक है ?
29. नाटक में 'कथ्य' के महत्व को सिद्ध कीजिए।
30. नाटक का सबसे जरूरी व सशक्त माध्यम किसे बताया गया है और क्यों ?
31. 'नाटक में द्वन्द्व या प्रतिरोध अति आवश्यक है।' – स्पष्ट कीजिए।
32. कहानी का केन्द्रीय बिन्दु किसे माना गया है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
33. कथानक क्या है ? संक्षेप में लिखिए।
34. कहानी में द्वन्द्व तत्व के महत्व को रेखांकित कीजिए।
35. कहानी में देशकाल व स्थान का क्या महत्व है ? लिखिए।
36. कहानी को प्रामाणिक व रोचक बनाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?
37. कहानी में 'क्लाइमेक्स' क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
38. इंट्रो से आप क्या समझते हैं ?
39. कविता रचना में परिवेश का क्या महत्व है ?
40. मीडिया की भाषा में विशेष लेखन किसे कहते हैं ?
41. मीडिया की भाषा में डेस्क किसे कहते हैं ?
42. इन–डेप्थ रिपोर्ट किसे कहते हैं ?
43. फीचर लेखन का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।
44. पत्रकारीय लेखन और सृजनात्मक लेखन में क्या अन्तर है ?
45. पात्र या चरित्र कहानी के विकास में क्या योगदान देते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
46. नाटक को अन्य विधाओं से अलग क्यों माना गया है ?
47. 'कहानी मनोरंजन के साथ–साथ शिक्षा का भी माध्यम है' कैसे ?

निबंध लेखन

निबंध लेखन (उत्तर सीमा – 400 शब्द)

1. मेक इन इंडिया
2. राष्ट्र निर्माण में युवा पीढ़ी का योगदान
3. साहित्य समाज का दर्पण होता है
4. राजस्थान के मेले
5. विद्यार्थी जीवन में इंटरनेट की उपयोगिता
6. जल–संरक्षण का महत्व
7. राजस्थान में गहराता जल संकट
8. बढ़ती मंहगाई की मार
9. विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व
10. भ्रष्टाचार : एक विकराल समस्या

मॉडल प्रश्न पत्र–1

कक्षा – XII

विषय – हिंदी साहित्य

समय – 3 घंटे 15 मिनट.
पूर्णांक – 80 अंक

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिन प्रश्नों में आंतरिक खंड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

खंड – अ

1. **निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपने उत्तर पुस्तिका में लिखें ।** **12 अंक**

. i) 'कार्नेलिया' का गीत प्रसाद के किस नाटक से लिया गया है –

(अ) स्कंदगुप्त (ब) राजश्री (स) अजातशत्रु (द) चंद्रगुप्त

ii) 'भरत – राम का प्रेम' खंड 'रामचरितमानस' के किस भाग से लिया गया है–।

(अ) उत्तरकांड (ब) बालकांड (स) लंकाकांड (द) अयोध्याकांड

iii) 'सुमिरिनी के मनके' अध्याय में कितने निबंध दिए गए हैं–।

(अ) चार (ब) दो (स) तीन (द) पांच

iv) 'निर्मल वर्मा' का जन्म कब हुआ–

(अ) सन् 1927 में (ब) सन् 1929 में (स) सन् 1931 में (द) सन् 1926 में

v) सूरदास की झोपड़ी में आग किसने लगाई–

(अ) जगधर ने (ब) सुभागी ने (स) भैरों ने (द) मिठुआ ने

vi) 'कोइयां' का दूसरा नाम है–

(अ) भसीण (ब) पुरइन (स) कमल (द) कुमुद

vii) 'सुजनी' किसे कहते हैं–

(अ) सुई की डोरी से बनी कथरी (ब) एक जलीय पुष्प

(स) एक सांप की प्रजाति (द) एक खट्टा फल

viii) 'अपना–मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ की मूल समस्या है–

(अ) महंगाई (ब) भ्रष्टाचार

(स) पर्यावरण संबंधी चिंता (द) ग्रामीण परिवेश की संवेदनहीनता

ix) कविता की अंजानी दुनिया का सबसे पहला उपकरण है–

(अ) बिंब (ब) छंद (स) शब्द (द) परिवेश

x) नाटक लिखते समय नाटककार को नाटक की किस मूल विशेषता को ध्यान में रखना चाहिए–

(अ) भाषा (ब) समय का बंधन (स) अंक (द) संवाद

xi) सुव्यवस्थित, सृजनात्मक व आत्मनिष्ठ लेखन कहलाता है–

(अ) रिपोर्ट (ब) स्तंभ लेखन (स) संपादक के नाम पत्र (द) फीचर

xii) तथ्यों की खोज व विश्लेषण पर जोर किस माध्यम में दिया जाता है–

(अ) फीचर (ब) संपादक के नाम पत्र (स) विशेष रिपोर्ट (द) कार्टून कोना

2) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– **6 अंक**

i) रस का उत्कर्ष करने वाली बातों को ....कहते हैं। 1

ii) 'मूंड पे मुकुट धरे सोहत हैं गोपाल'– इस पंक्ति में................दोष है। 1

iii) तीन वर्णों के समूह को................. कहते हैं। 1

iv) गीतिका छंद में.................... व..................मात्राओं पर यति होती है। 1

v) जब काव्य में अप्रस्तुत का वर्णन कर प्रस्तुत का बोध कराया जाता है, वहां............... अलंकार होता है। 1

vi) प्रतीप अलंकार................. अलंकार का विपरीत होता है। 1

3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर दीजिए– **6 अंक**

संस्कृति के आंतरिक अंगों पर भारत में विशेष बल दिया गया है। धर्म ग्रंथो में अच्छे मनुष्यों के लक्षण बतलाए गए हैं। मनुस्मृति में धृति, क्षमा, दया, अस्तेय, शौच, इंद्रिय निग्रह, धी, विद्या, सत्य और अक्रोध धर्म के दस लक्षण बतलाए गए हैं, वे सब भारतीयों के मानसिकता और आध्यात्मिक संस्कृति के अंग हैं। श्रीमद्भगवद् गीता में देवी संपदा वालों के लक्षण दिए गए हैं जिनमें 'अभय' को पहला स्थान दिया गया है। स्थितप्रज्ञ के लक्षण, सात्विक चीजों के लक्षण आदि सब भारतीय संस्कृति के अनुकूल सभ्य और शिष्ट पुरुष के लक्षण हैं। इसलिए सभी महाकाव्य ऐसे लक्षणों से भरे पड़े हैं। 'रघुवंश' में रघुकुल राजाओं के जो गुण बतलाए गए हैं, वे न केवल भारत के सांस्कृतिक आदर्शों के परिचायक हैं, बल्कि उनसे अतीत का भव्य चित्र हमारे सम्मुख आ जाता है।

i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

ii) मनुस्मृति में धर्म के कितने लक्षण बताए गए हैं? 1

iii) श्रीमद्भगवद् गीता में देवी संपदा वालों के लक्षणों में पहला स्थान किसे दिया गया है? 1

iv) 'रघुवंश' में किस कुल के राजाओं के गुण बताए गए हैं? 1

v) 'अनुकूल' शब्द का विपरीतार्थक शब्द लिखिए। 1

vi) भारत के सांस्कृतिक आदर्शों के परिचायक किसे बताया गया? 1

4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर दीजिए— 6 अंक

शांति नहीं तब—तक, जब तक, सुख भाग न नर का सम हो,
नहीं किसी को बहुत अधिक हो, नहीं किसी को कम हो।
ऐसी शांति राज्य करती है, तन पर नहीं हृदय पर,
नर के ऊंचे विश्वासों पर, श्रद्धा, भक्ति प्रणय पर।
न्याय शांति का प्रथम न्यास है, जब तक न्याय न आता,
जैसा भी हो महल शांति का सुदृढ़ नहीं रह पाता।
कृत्रिम शांति सशंक आप, अपने से ही डरती है,
खड्ग छोड़ विश्वास किसी का, कभी नहीं करती है।

i) शांति का प्रथम न्यास किसे कहा गया है? 1

ii) शांति की स्थापना कब तक नहीं हो सकती है? 1

iii) किस तरह की शांति अपने– आप से भयभीत रहती है ? 1

iv) किस प्रकार की शांति मनुष्य के विश्वासों पर राज्य करती है? 1

v) "शांति नहीं तब—तक, जब तक, सुख भाग न नर का सम हो"—इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

vi) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

खंड — ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 40 शब्दों में दीजिए— 24 अंक

5) "अच्छा ! इसे भी घेर लिया"— यह कथन किसने, किससे व क्यों कहा ? 2

6) नानी के बार—बार कहने पर भी संभव भोजन क्यों नहीं कर रहा था ? स्पष्ट कीजिए। 2

7) 'बूंद का सागर से अलग होना' किस बात का अहसास देता है ? 2

8) फाल्गुन मास में नायिका 'नागमती' का विरह चौगुना क्यों बढ़ जाता है ? 2

9) सूरदास धन संचय करके क्या—क्या करना चाहता था ? 2

.10) 'कोइयां' क्या है ? इसकी विशेषताएं लिखिए। 2

11) व्यतिरेक अलंकार की परिभाषा व उदाहरण लिखिए। 2

12) हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

13) रघुवीर सहाय का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

14) बीट रिपोर्टिंग व विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है ? 2

15) ''संपादक के नाम पत्र जनमत को प्रतिबिंबित करता है''– कैसे ? लिखिए। 2

16) कहानी में 'द्वंद' तत्व के महत्व को रेखांकित कीजिए। 2

खंड – स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

17) ''औद्योगीकरण से पर्यावरण को व्यापक पैमाने पर नुकसान हो रहा है''– इस कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए। 3

अथवा

''चार हाथ कहानी के माध्यम से समाज के पूंजीपति वर्ग की संवेदनहीनता पर व्यंग्य किया गया है।'' कैसे?

18) 'कार्नेलिया का गीत' कविता में भारत की किन–किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है ? अपने शब्दों में लिखिए। 3 अंक

अथवा

गीतावली के पदों के आधार पर सिद्ध कीजिए की माता कौशल्या 'वात्सल्य रस' की प्रतिमूर्ति हैं।

19) विकास की औद्योगिक सभ्यता को उजाड़ की अपसभ्यता क्यों कहा गया है ? स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द) 4 अंक

अथवा

'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर वर्षा ऋतु में ग्रामीण परिवेश के मनोहारी दृश्य का चित्रण कीजिए।

खंड – द

निम्नलिखित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (5 अंक)

20) बड़े भैया के मरने के बाद ही जैसे सब खेल खत्म हो गया। तीनों भाइयों ने आपस में लड़ाई–झगड़ा शुरू किया। रैयतों ने जमीन पर दावे करके दखल किया, फिर तीनों भाई गांव छोड़कर शहर में जा बसे, रह गई बड़ी बहुरिया– कहां जाती बेचारी! भगवान् भले आदमी को ही कष्ट देते हैं। नहीं तो एक घंटे की बीमारी में बड़े भैया क्यों मरते? बड़ी बहुरिया की देह से जेवर खींच– छीनकर बंटवारे की लीला हुई थी। हरगोविंद ने देखी है अपनी आंखों से द्रौपदी चीर–हरण लीला! बनारसी साड़ी के तीन टुकड़े करके बंटवारा किया था, निर्दय भाइयों ने। बेचारी बड़ी बहुरिया!

अथवा

धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करें जो कहा जाए वही कान ढलकाकर सुन ले,इस सत्ययुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियां पिटवाकर दिया जाता है। घड़ी समय बतलाती है।किसी घड़ी देखना जानने वाले से समय पूछ लो और काम चला लो। यदि अधिक करो तो घड़ी देखना

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

स्वयं सीख लो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्जे गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ करके फिर लगा लें– यह तुमसे नहीं होगा। तुम उसके अधिकारी नहीं। यह तो वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्जे जानें, तुम्हें इससे क्या? क्या इस उपमा से जिज्ञासा बंद हो जाती है?

निम्नलिखित अपठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– (5 अंक)

21) यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी कांपा,
वह पीड़ा, जिस की गहराई को स्वयं उसी ने नापा
कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुंधुआते कड़ुवे तम में
यह सदा–द्रवित, चिर जागरूक, अनुरक्त–नेत्र,
अवलंब– बाहु, यह चिर अखंड अपनापा।

अथवा

यह धीरे–धीरे होना
धीरे – धीरे होने की सामूहिक लय
दृढ़ता से बांधे हैं समूचे शहर को
इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है
कि हिलता नहीं है कुछ भी
कि जो चीज जहां थी
वहीं पर रखी है
कि गंगा वहीं है
कि वहीं पर बंधी है नाव
कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊं
सैंकड़ों बरस से

22) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए–(उत्तर सीमा – 400 शब्द) 6 अंक

1. मेक इन इंडिया
2. साहित्य समाज का दर्पण होता है
3. विद्यार्थी जीवन में इंटरनेट की उपयोगिता
4. जल संरक्षण का महत्व

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

मॉडल प्रश्न पत्र – 2

कक्षा – XII

विषय – हिंदी साहित्य

समय – 3 घंटे 15 मिनट.

पूर्णांक – 80 अंक

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें ।
4. जिन प्रश्नों में आंतरिक खंड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

खंड – अ

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपने उत्तर पुस्तिका में लिखें । 12 अंक

i) 'निराला रचनावली' कितने खंडों में प्रकाशित हुई–

(अ) आठ (ब) दस (स) पंद्रह (द) बारह

ii) 'जायसी' द्वारा रचित 'बारहमासा' किस ग्रंथ से लिया गया है –

(अ) अखरावट (ब) गीतावली (स) आखिरी कलाम (द) पद्मावत

iii) 'प्रेमघन की छाया स्मृति' किस तरह की रचना है–

(अ) रेखाचित्र (ब) यात्रा वृतांत (स) व्यंग्य लेखन (द) संस्मरणात्मक निबंध

iv) 'भीष्म साहनी' के बड़े भाई का क्या नाम था–

(अ) बलजीत (ब) बलराम (स) बलदेव (द) बलराज

v)' सूरदास की झोपड़ी' प्रेमचंद के किस उपन्यास का अंश है–

(अ) कर्मभूमि (ब) गोदान (स) गबन (द) रंगभूमि

vi) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के लेखक कौन हैं –

(अ) रामनरेश त्रिपाठी (ब) विश्वनाथ त्रिपाठी (स) गणेश नारायण त्रिपाठी (द) संजीव कुमार

vii) 'निथरी' शब्द का अर्थ है–

(अ) मुख्य द्वार (ब) चमकीली (स) बारिश के चार महीने (द) बाढ़

viii) 'अपना–मालवा–खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' स्तंभ किस अखबार से लिया गया है –

(अ) दैनिक जागरण (ब) जनसत्ता (स) द हिंदू (द) पंजाब केसरी

. ix) कविता का जन्म किस रूप में हुआ–

(अ) वाचिक (ब) लिखित (स) मूक (द) इनमें से कोई नहीं

x) साहित्य की सभी विधाओं में नाटक के सबसे ज्यादा निकट कौन सी रचना है–

(अ) कहानी (ब) उपन्यास (स) यात्रा वृतांत (द) कविता

xi) उल्टा पिरामिड शैली निम्न में से किस सृजनात्मक लेखन में उपयोगी है–

(अ) फीचर (ब) डायरी (स) साक्षात्कार (द) समाचार

xii) किस रिपोर्ट में सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध तथ्यों, सूचनाओं और आंकड़ों की गहरी छानबीन की जाती है–

(अ) खोजी रिपोर्ट (ब) इन डेप्थ रिपोर्ट (स) विवरणात्मक रिपोर्ट (द) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट

2) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– 6 अंक

i) गुण........................ रूपी आत्मा का धर्म तत्व है। 1

ii) काव्य की शोभा का अपकर्ष करने वाले.................. कहलाते हैं। 1

iii) गणों की संख्या................होती है। 1

iv) हरिगीतिका मात्रिक............. छंद है। 1

v) जहां एक बात कहकर, फिर उससे मिलती–जुलती दूसरी बात कही जाए, वहां..........अलंकार होता है। 1

vi) जहां उपमेय में उपमान की तुलना में एक बात ज्यादा हो, वहां................. अलंकार होता है। 1

3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर दीजिए– 6 अंक

हर राष्ट्र को अपने सामान्य काम – काज एवं राष्ट्रव्यापी व्यवहार के लिए किसी एक भाषा को अपनाना होता है। राष्ट्र की कोई एक भाषा स्वाभाविक विकास और विस्तार करती हुई अधिकांश जनसमूह के विचार–विनिमय और व्यवहार का माध्यम बन जाती है। इसी भाषा को वह राष्ट्र, राष्ट्रभाषा का दर्जा देकर, उस पर शासन की स्वीकृति की मुहर लगा देता है। हर राष्ट्र की प्रशासकीय – सुविधा तथा राष्ट्रीय– एकता और गौरव के निमित्त एक राष्ट्रभाषा का होना परम आवश्यक होता है। सरकारी कामकाज की केंद्रीय भाषा के रूप में यदि एक भाषा स्वीकृत न होगी तो प्रशासन में नित्य ही व्यावहारिक कठिनाइयां आएंगी। अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी राष्ट्र की निजी भाषा का होना गौरव की बात होती है।

एक राष्ट्रभाषा के लिए सर्वप्रथम गुण है– उसकी 'व्यापकता' । राष्ट्र के अधिकांश जन–समुदाय द्वारा वह बोली तथा समझी जाती हो। दूसरा गुण है– 'उसकी समृद्धता' । वह संस्कृति, धर्म, दर्शन, साहित्य एवं विज्ञान आदि विषयों को अभिव्यक्त करने की सामर्थ्य रखती हो। उसका शब्दकोष व्यापक और विशाल हो और उसमें समयानुकूल विकास की सामर्थ्य हो।

यदि निष्पक्ष दृष्टि से विचार किया जाए तो हिंदी को यह सभी योग्यताएं प्राप्त हैं । अतः हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा होने की सभी योग्यताएं रखती है ।

. i) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

ii) राष्ट्रभाषा की आवश्यकता क्यों होती है? 1

iii) राष्ट्रभाषा का आविर्भाव कैसे होता है? 1

iv) एक राष्ट्रभाषा न होने से क्या कठिनाई होती है? 1

v) राष्ट्रभाषा का सर्वप्रथम गुण कौन–सा है? 1

vi) 'विज्ञान' शब्द में से मूल शब्द और उपसर्ग अलग–अलग करके लिखिए। 1

4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर दीजिए– 6 अंक

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो,
उसको क्या, जो दंतहीन
विषहीन विनीत सरल हो।
तीन दिवस तक पंथ मांगते
रघुपति सिंधु किनारे,
बैठे पढ़ते रहे छंद
अनुनय के प्यारे–प्यारे।
उत्तर में जब एक नाद भी
उठा नहीं सागर से,
उठी अधीर धधक पौरुष की
आग राम के शर से।
सिंधु देह धर 'त्राहि– त्राहि'
करता आ गिरा शरण में,
चरण पूजा, दासता ग्रहण की
बंधा मूढ़ बन्धन में।
सच पूछो तो शर में ही
बसती है दीप्ति विनय की,
. संधि– वचन संपूज्य उसी का
जिसमें शक्ति विजय की।

i) समुद्र के किनारे खड़े होकर कौन रास्ता मांग रहा था?

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

ii) क्षमा किसको शोभा देती है? 1

iii) राम क्रोधित क्यों हो गए थे? 1

iv) 'विनय की दीप्ति' किसमें बसती है? 1

v) 'सिंधु देह धर ' – इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है? 1

vi) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

खंड – ब

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 40 शब्दों में दीजिए– **(24)**

5) '' इस पुरातत्व की दृष्टि में प्रेम और कुतूहल का एक अद्भुत मिश्रण रहता था ।'' यह कथन किसने, किसके संदर्भ में और क्यों कहा ? 2

6) 'पहचान' कहानी के आधार पर बताइए कि राजा किस प्रकार की प्रजा पसंद करता है और क्यों ? 2

7) 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' इस पंक्ति का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए। 2

8) 'जनम अबधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल' – इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

9) ''अंधे भिखारी के लिए दरिद्रता इतनी लज्जा की बात नहीं है, जितना धन।'' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ? 2

10) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ का उद्देश्य लिखिए। 2

11) प्रतीक अलंकार की परिभाषा व उदाहरण लिखिए। 2

12) निर्मल वर्मा का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

13) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

14) फीचर लेखन और समाचार लेखन में क्या अंतर है ? 2

15) कविता की आंतरिक लय किसे कहा गया है और क्यों ? 2

16) पत्रकारीय लेखन और सृजनात्मक लेखन में अंतर लिखिए। 2

खंड – स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

17) 'ढेले चुन लो' निबंध में समाज में व्याप्त किस अंधविश्वास को उजागर किया गया है ? क्या वर्तमान में यह स्थिति प्रासंगिक है ? तर्क सहित लिखिए। 3 अंक

अथवा

लेखक ने 'कुटज' की किन–किन विशेषताओं को उजागर किया है और उनकी मानव जीवन में क्या प्रासंगिकता है ? लिखिए।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

18) ''व्यक्ति की समाज के साथ अंतरंगता से राष्ट्र मजबूत होगा'' – 'यह दीप अकेला' कविता के आधार पर इस कथन के समर्थन में अपने विचार व्यक्त कीजिए। 3 अंक

अथवा

सिद्ध कीजिए कि बारहमासा एक ' विरह काव्य ' है।

19) ''तो हम भी सौ लाख बार बनाएंगे।'' ' सूरदास ' के इस कथन में छिपे भावों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए। (उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द) 4 अंक

अथवा

''तीव्र गति से औद्योगीकरण से पर्यावरण को अत्यधिक नुकसान हुआ है।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

खंड – द

निम्नलिखित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **(5 अंक)**

20) ''अरे, मैं उन दिनों कितना काम कर लेता था। कभी थकता ही नहीं था।...'' हमसे थोड़ा ही पीछे महादेव देसाई, मोटा सा लठ्ठ उठा चले आ रहे थे। कोहाट और रावलपिंडी का नाम सुनते ही आगे बढ़ आए और उसे दौर से जुड़ी अपनी यादें सुनाने लगे। और एक बार जो सुनाना शुरू किया तो आश्रम के फाटक तक सुनाते चले गए।

किसी–किसी वक्त गांधी जी बीच में हँसते हुए कुछ कहते। वह बहुत धीमी आवाज में बोलते थे। लगता अपने आप से बातें कर रहे हैं, अपने साथ ही विचार–विनिमय कर रहे हैं। उन दिनों को स्वयं भी याद करने लगे हैं।

अथवा

अभी तक उसके जीवन में कोई लड़की किसी अहम भूमिका में नहीं आई थी। लड़कियां या तो क्लास में बांयी तरफ की बेंचों पर बैठनेवाली एक कतार थी या फिर ताई चाची की लड़कियां जिनके साथ खेलने–खाता वह बड़ा हुआ था। इस तरह बिलकुल अकेली, अनजान जगह पर, एक अनाम लड़की का सद्य– स्नात दशा में सामने आना, पुजारी का गलत समझना, आशीर्वाद देना, लड़की का घबराना और चल देना सब मिलाकर एक नयी निराली अनुभूति थी जिसमें उसे कुछ सुख और ज्यादा बेचैनी लग रही थी। उसने मन ही मन तय किया कि कल शाम पांच बजे से ही वह घाट पर जाकर बैठ जाएगा। पौड़ी पर इस तरह बैठेगा कि कल वाले पुजारी के देवालय पर सीधी आंख पड़े।

RCScE राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

निम्नलिखित अपठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— **(5 अंक)**

21) राघौ! एक बार फिरि आवौ।
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ।।
जे पय प्याइ पोखि कर—पंकज वार—वार चुचुकारे।
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले! ते अब निपट बिसारे।।
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानी तिहारे ।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारै।।
सुनहु पथिक! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो।
तुलसी मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अंदेसो।।

अथवा

पूरन प्रेम को मंत्र महा पन, जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ।
ताहि के चारु चरित्र बिचित्रनि, यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ।
ऐसो हियो हितपत्र पवित्र जु, आन— कथा न कहूँ अवरेख्यौ।
सो घनानंद जान अजान लौं, टूक कियौ पर बाँचि न देख्यौ।

22) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए—(उत्तर सीमा — 400 शब्द) **6 अंक**

1. राष्ट्र निर्माण में युवा पीढ़ी का योगदान
2. भ्रष्टाचार एक विकराल समस्या
3. राजस्थान के मेले
4. राजस्थान में गहराता जल संकट

।। सतत् अभ्यास से सुदृढ़ अधिगम की ओर बढ़े ।।

केवल कुछ प्रश्नों के आधार पर पढ़ाई करने से भविष्य उज्ज्वल नहीं होता है। अतः ज्ञान पर ध्यान केन्द्रित करें।

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

द्वितीय एवं तृतीय तल, ब्लॉक-5, डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा संकूल परिसर

जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर (राजस्थान)